राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार , 28 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–183 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-पंजाब और हरियाणा की तरफ शिफ्ट हो रहा मॉनसून, बिहार-यूपी में भी होगी बारिश

नई दिल्ली। पूरी तरह मॉनसून के दस्तक के बावजूद भी देश के कई हिस्सों में अभी भी मिलीजुली बरसात देखने को मिली है। हालांकि मौसम विभाग के मुताबिक कुछ राज्यों को छोड़कर बाकी जगहों पर अच्छी बारिश हो रही है। एक तरफ जहां राजधानी दिल्ली में मई-जून के महीने में भीषण गर्मी के बाद मॉनसून की बारिश से राहत मिली है। तो वहीं कुछ राज्यों में आने वाले समय में भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। पंजाब, हरीयाणा, जम्मू कश्मीर समेत कई राज्यों में इसी सप्ताह तेज बारिश होगी। दरअसल, मौसम विभाग ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में बारिश की संभावना जताई है। अपडेट में बताया गया कि दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में इस पूरे हफ्ते गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मॉनसून ट्रफ के उत्तर की ओर शिफ्ट होने के कारण 27 जुलाई से उत्तर भारत में बारिश की गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। कम दबाव का क्षेत्र बनने से मॉनसून की ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चल रही थी, लेकिन बुधवार से इसके उत्तर की ओर शिफ्ट होने की संभावना है। उधर हरियाणा के कुछ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड मे अगले पांच दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में मूसलाधार बारिश अभी भी जारी है और आगे भी जारी रहेगी। मध्यप्रदेश में भी स्थिति लगातार बारिश की बनी हुई है। इन दोनों राज्यों में तो लगातार भारी बारिश के कारण तमाम जिलों के कई इलाकों में जलभराव हो गया है। गुजरात में पहले से ही बारिश परेशानी का सबब बन चुका है। मॉनसून के शुरुआती चरण से ही यहां हो रही लगातार बारिश की वजह से किसान भी परेशान हैं। खेतों में पानी भर गया है। हालांकि बीते दो तीन दिनों कुछ जिलों में थोड़ी राहत जरूर आई है।

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने बल के कर्मियों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 84वें स्थापना दिवस पर बुधवार को बल के कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दी और कहा कि सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हों या फिर मानवीय चुनौतियां, सीआरपीएफ की भूमिका सराहनीय रही है।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 84वें स्थापना दिवस पर बुधवार को बल के कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दी और कहा कि सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हों या फिर मानवीय चुनौतियां, सीआरपीएफ की भूमिका सराहनीय रही है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर बल के सभी बहादुर कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई। सीआरपीएफ ने अदम्य साहस और उत्कृष्ट सेवा के लिए अपनी एक पहचान स्थापित की है। सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हों या फिर मानवीय चुनौतियां, सीआरपीएफ की भूमिका सराहनीय है।''

मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर बल के सभी बहादुर कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई। सीआरपीएफ ने अदम्य साहस और उत्कृष्ट सेवा के लिए अपनी एक पहचान स्थापित की है। सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हों या फिर मानवीय चुनौतियां, सीआरपीएफ की भूमिका सराहनीय है।''

सीआरपीएफ देश के सबसे पुराने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है और इसके पास देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी है। आज ही के दिन 1939 में क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस के रूप में इसका गठन हुआ था। आजादी के बाद 28 दिसम्बर, 1949 को संसद के एक अधिनियम द्वारा इस बल को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नाम दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने कुलगाम के ब्रयीहार्ड कठपोरा में घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने कुलगाम के ब्रयीहार्ड कठपोरा में घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान उस वक्त मुठभेड़ में बदल गया, जब आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी और सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ जारी है और अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

'हर घर तिरंगा' अभियान ऐसे सफल बनाएगी सरकार!

बड़ी हस्तियां करेंगी सोशल मीडिया पर पोस्ट, सीएसआर निधि खर्च कर सकती हैं कंपनी

नयी दिल्ली। संसद में विपक्ष कई बड़े मुद्दों पर सरकार को घेर रहा हैं ऐसे में दूसरी तरफ सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक अपने 'हर घर तिरंगा' अभियान में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने का प्रयास तेज कर दिया हैं। सरकार के सूत्रों ने बताया कि 1 अगस्त से विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 500-750 शीर्ष हस्तियां अभियान में अपनी भागीदारी के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करना शुरू कर देंगी और लोगों से इसमें शामिल होने का आग्रह करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के लिए लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की आजादी के 75वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया था। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय राज्य सरकारों और कई एजेंसियों के साथ अभियान का समन्वय कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में, ÷लक्षित 20 करोड़ परिवारों द्वारा झंडा फहराना न केवल तिरंगा से व्यक्तिगत संबंध का प्रतीक बन जाए। बल्कि राष्ट्र-निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। तिरंगे की अभूतपूर्व मांग को पूरा करने के लिए केंद्र ने 30 दिसंबर 2021 को

भारत के ध्वज संहिता 2002 को बदल दिया, जो देश में राष्ट्रीय ध्वज के उपयोग, प्रदर्शन और फहराने को नियंत्रित करता है। संशोधन ने राष्ट्रीय ध्वज के लिए मशीन-निर्मित और पॉलिएस्टर झंडे का उपयोग करने की अनुमति दी। अधिसूचना में, सरकार ने ध्वज संहिता के भाग द्व के पैराग्राफ 1.2 को राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काता और हाथ से बुने या मशीन से बने, कपास / पॉलिएस्टर / ऊन / रेशम खादी बंटिंग से बना होगा से बदल दिया था।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 37 पहुंची, 14 आरोपी गिरफ्तार, सरकार ने जांच समिति गठित की

अहमदाबाद। गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से और लोगों की मौत के बाद गुजरात में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई। लगभग 70 अन्य लोग अस्पताल में भर्ती रहे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि रोजिड गांव और आसपास के इलाकों में शराब तस्करों ने अत्यधिक जहरीली मिथाइल अल्कोहल से बनी शराब स्थानीय लोगों को बेची। देशी शराब छोटी प्लास्टिक की थैलियों में बेची जाती थी और एक पाउच की कीमत 40 रुपये होती थी। स्थानीय रूप से 'पोटली' के रूप में जाना जाता है, केवल 40 रुपये की कीमत के इन पाउच ने बोटाद में 37 लोगों की जान ले ली है, जबकि कई अन्य अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

पोटली वाली जहरीली शराब ने निगल ली 37 जिंदगियां-पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बोटाद के अलग-अलग गांवों के कुछ छोटे शराब तस्करों ने 'मिथाइल अल्कोहल' (मेथेनॉल) में पानी मिलाकर नकली शराब बनाई थी, जो बेहद जहरीली होती है। वे 20 रुपये 'पाउच' के दाम पर उसे गांववालों को बेचते थे। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गांधीनगर में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ से संबद्ध पुलिस अधिकारी ने कहा, जहरीली शराब पीने के बाद अब तक कुल 37 लोगों की मौत हो चुकी है। बोटाद में 24 और पड़ोसी अहमदाबाद में नौ लोगों की मौत हुई है। इससे पहले दोपहर के समय गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने गांधीनगर में पत्रकारों को बताया कि 14 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 328 और 120-बी के तहत तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और उनमें से अधिकतर लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

जहरीली शराब पीने से हुई मौत को लेकर 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मामला सोमवार सुबह तब सामने आया, जब बोटाद के रोजिड गांव और आसपास के अन्य गांवों में रहने वाले कुछ लोगों को उनकी हालत बिगड़ने पर बरवाला क्षेत्र और बोटाद कस्बों के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। भाटिया ने बताया था कि जहरीली शराब पीने से अभी तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। उनमें से 22 बोटाद जिले के विभिन्न गांवों के निवासी थे, जबकि छह लोग पड़ोसी अहमदाबाद जिले के तीन गांवों के रहने वाले थे। इनके अलावा 45 से अधिक लोगों का भावनगर, बोटाद और अहमदाबाद के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। भाटिया ने कहा, '' फोरेंसिक विश्लेषण में पता चला है कि पीड़ितों ने 'मिथाइल अल्कोहल' पी थी। हमने हत्या और अन्य अपराधों के आरोप में 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और अधिकतर आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।''

कर्नाटक में बीजेपी नेता की बेरहमी से हत्या, धारदार हथियार से बदमाशों ने किए कई वार, इलाके में जारी किया गया सुरक्षा अलर्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में बीजेपी युवा मोर्चा के जिला सचिव प्रवीण नेट्टारू की मंगलवार को बेरहमी से हत्या कर दी गई। देर शाम एक बाइक पर सवार अज्ञात लोगों ने भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू की हत्या कर दी। घटना के बाद लोगों में काफी आक्रोश नजर आया। इस घटना के मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे गांव में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मैंगलोर और उडुपी से अतिरिक्त पुलिस बल भी भेजा गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भाजपा युवा कार्यकर्ता की हत्या पर दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और दंडित किया जाएगा। बोम्मई ने ट्विटर पर कहा कि वह निंदा करते हैं, सुलिया, दक्षिण कन्नड़ से पार्टी कार्यकर्ता प्रवीण नेतरू की बर्बर हत्या। इस तरह के जघन्य कृत्य के अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और कानून के तहत दंडित किया जाएगा। प्रवीण की आत्मा को शांति मिले। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू की हत्या मामले में पुलिस पास अभी कोई पुख्ता सबूत प्राप्त नहीं हैं। पुलिस ने कहा कि वे अभी भी सबूत की तलाश कर रहे थे। मैंगलोर के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि केवल मीडिया में हमने केरल बाइक नंबर प्लेट की जानकारी देखी है। हमें कोई सबूत नहीं मिला है। कुछ भी विशेषता देना जल्दबाजी होगी। हमने सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। सभी एंगल से जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का दावा है कि हत्या बेल्लारे इलाके में एक मुस्लिम युवक मसूद की हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। कई दक्षिणपंथी समूहों ने भाजपा युवा कार्यकर्ता की हत्या की निंदा करने के लिए दक्षिण कन्नड़ के सुलिया और पुत्तूर तालुक में बंद का आह्वान किया है। दक्षिणपंथी समूहों ने हत्या के पीछे पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का हाथ होने का आरोप लगाया है।

मंकीपाक्स को लेकर भारत में भी बढ़ा खतरा, यूपी-बिहार के अलावा इन राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के बाद अब मंकीपाक्स के बढ़ते मामले डरा रहे हैं। करीब 75 देशों में फैल चुका मंकीपाक्स अब भारत में भी पैर पसार रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, मंकीपाक्स के अब तक 16 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, भारत में इसके अब तक चार पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा कुछ जगहों पर संदिग्ध मामले भी मिले हैं। मंकीपाक्स के बढ़ते मामलों को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट मोड पर है। वहीं राज्य सरकारें भी लगातार नजर बनाए हुए हैं। कई राज्यों में इसको लेकर अलर्ट जारी किया जा चुका है। हाल ही में दिल्ली में मंकीपाक्स का पहला मामला सामने आया था। अब फैसला लिया गया है कि मंकीपाक्स के

लक्षणों के साथ दिल्ली पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को हवाईअड्डे से लोकनायक अस्पताल भेजा जाएगा। मरीजों के इलाज के लिए यहां 20 सदस्यीय विशेष टीम है।

यूपी:सभी जिलों में 10 बेड रिजर्व

यूपी में भी मंकीपाक्स के संदिग्ध मामले मिले हैं। लिहाजा, सभी जिलों में कोविड अस्पतालों में 10 बेड मंकीपाक्स रोगियों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। राज्य सरकार ने अलर्ट भी जारी कर दिया है। संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का सर्विलांस और प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है।

झारखंड सरकार का अलर्ट जारी

झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को अलर्ट जारी कर दिया है। सिविल सर्जन को सदर अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने को कहा गया है। जिलों में तेजी से आइसोलेशन वार्ड तैयार किये जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी सिविल सर्जन को इस संबंध में एक एडवाइजरी भी जारी की है।

हरियाणा में भी अलर्ट-हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। ओपीडी में चिकित्सकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि अगर कोई संदिग्ध केस सामने आता है तो उसकी जानकारी तुरंत सीनियर अधिकारियों को अवगत करवाएं। इसके साथ-साथ विदेशों से आने वाले लोगों पर खास नजर रखी जा रही है।

देश को जल्द मिलने वाली हैं 75 नई वंदे भारत ट्रेनें, 15 अगस्त से पहले ट्रायल रन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 75 हफ्तों में 75 'वंदे भारत' ट्रेनें चलाने के लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश में रेलवे बोर्ड 15 अगस्त से पहले नई 'वंदे भारत' ट्रेन का ट्रायल शुरू कर देगा। इसके पश्चात नवंबर महीने में रेल यात्री इस ट्रेन में सफर का लुफ्त उठा सकेंगे। तीसरी 'वंदे भारत' ट्रेन दक्षिण भारत में चलाई जाएगी। रेलवे सूत्रों ने बताया कि सेमी हाई स्पीड (160-200 किलोमीटर प्रतिघंटा) 'वंदे भारत' का ट्रायल अगस्त के दूसरे हफ्ते में शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नई 'वंदे भारत' ट्रेन का परीक्षण राजस्थान के कोटा से मध्य प्रदेश के नागदा खंड पर किया जाएगा। ट्रायल के दौरान ट्रेन की रफ्तार 100 से 180 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। तीसरी नई 'वंदे भारत' ट्रेन को तेलंगाना में चलाया जा सकता है। इससे चुनावी राज्य में केंद्र सरकार इसका राजनीति फायदा भी उठा सकेगी। रेलवे का दावा है कि मोदी की घोषणा के अनुरूप 15 अगस्त 2023 तक 75 'वंदे भारत' ट्रेनें पटरियों पर दौड़ने लगेंगी। क्योंकि प्रोटोटाइप 'वंदे भारत' ट्रेन की सफलता के बाद शेष ट्रेनों का ट्रायल करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि रेल डिब्बा कारखाना इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) को 'वंदे भारत' के 75 रैक बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मौजूदा 'वंदे भारत' की अपेक्षा नई 'वंदे भारत' के कोच अधिक सुविधाजनक है। आईसीएफ में हर माह 'वंदे भारत' के छह से सात रैक (ट्रेनें) बनाने की क्षमता है। इसे बढ़ा कर 10 किया जा रहा है। इसके अलावा कपूरथला की रेल कोच फैक्टरी और रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्टरी में भी 'वंदे भारत' का निर्माण किया जाएगा।

संरक्षा और सहूलियत में सुधार

नई 'वंदे भारत' ट्रेन में संरक्षा एवं यात्रियों की सहूलियत में सुधार किया गया है। इसे रेलवे की नई कवच संरक्षा प्रणाली से लैस बनाया गया है। यानी एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आमने-सामने आने पर टक्कर नहीं होगी। लोको पायलट प्रत्येक कोच में सीसीटीवी के माध्यम से देख-सुन सकता है। कोचों में आग लगने से बचाव के लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। शौचालय, यात्री खंड और इलेक्ट्रिक पैनल में फायर सेंसर लगाए गए हैं।

इलेक्ट्रिक पैनल में आग लगने की दशा में स्वचालित गैस आधारित अग्निशामक यंत्र काम करने लगेगा और आग को तत्काल बुझा दिया जाएगा। आपातकालीन द्वार एवं आपात स्थिति में लोको पायलट से बात करने के लिए दो से बढ़ा कर चार प्रणालियां लगाई गई हैं। यात्रियों के बैठने में अधिक आरामदेह एवं वैसी ही रिक्लाइनिंग सीटें लगाई गई हैं, जैसी शताब्दी या गतिमान एक्सप्रेस में लगी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है - विंस्टन चर्चिल

संपादकीय

निशाने पर शूटर्स

यह अच्छी बात है कि हाल के दिनों में पंजाब में कुख्यात गैंगस्टरों के कोहराम की आंच हरियाणा तक पहुंचने की आशंका के बाद खट्टर सरकार चौकन्नी हुई है। सरकार की सजगता के बाद अब राज्य में सक्रिय करीब तीस से अधिक कुख्यात शूटर्स हरियाणा एसटीएफ के राडार पर हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी व पंजाब से सटे हरियाणा में गैंगस्टरों की सक्रियता चौंकाने वाली है क्योंकि हाल ही में राज्य के कई कुख्यात शूटरों की संलिप्तता बड़े अपराधों में पाई गई है। हालांकि, तमाम बड़े गैंगों के बड़े अपराधी जेलों में हैं, लेकिन उनके गुर्गे अपराधों को अंजाम देने से पीछे नहीं हटते। देश की सुरक्षित जेलों से गैंग चलाने और हमलों को अंजाम देने के मामले प्रकाश में आए हैं। अपराधी अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के इलाकों में छिप जाते हैं। यही वजह है कि हरियाणा पुलिस दिल्ली, पंजाब, राजस्थान व उ.प्र. के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये तालमेल बना रही है। पांच राज्यों की को-ऑर्डिनेशन कमेटी के जरिये गैंगस्टरों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। निस्संदेह जब तक केंद्रीय एजेंसियां, हरियाणा का खुफिया तंत्र विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ तालमेल बनाकर अपनी रणनीति को क्रियान्वित नहीं करता, गैंगस्टर सिरदर्द बने रहेंगे। साथ ही पता लगाया जाये कि इन अपराधियों तक आधुनिक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। पंजाब की अंतर्राष्ट्रीय सीमा में तस्करों द्वारा हथियारों की तस्करी पर केंद्रीय एजेंसियों को नजर रखनी होगी। बहरहाल, चुनौती की गंभीरता को देखते हुए हरियाणा एसटीएफ ने बड़े गैंगस्टरों व शूटरों पर शिकंजा कसने की जो पहल की है, वह राज्य में बड़े अपराधों की रोकथाम में मददगार होगी। हाल के दिनों में जिस तरह हरियाणा के विधायकों को रंगदारी के लिये धमकियां दी जा रही हैं, उससे इस स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। ऐसे में आम नागरिक की सुरक्षा चिंता ज्यादा बढ़ जाती है। एसटीएफ को अंतर्राज्यीय गिरोहों को भी राडार पर लेने की जरूरत है, जो अपराध करने के बाद पड़ोसी राज्यों में घुस जाते हैं। हाल के दिनों में उ.प्र. सरकार की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते जान बचाने के लिये कई अपराधी हरियाणा में सक्रिय हैं, जिन्हें स्थानीय गैंगों का संरक्षण भी मिलता है। ऐसे में अपराधियों को संदेश जाना चाहिए कि अपराधी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह पुलिस-कानून के शिकंजे से बच नहीं पायेगा। वहीं पंजाब में फैले नशे के कारोबार की दस्तक जैसे हरियाणा व हिमाचल में हुई है, उसे देखते हुए भी हरियाणा को बेहद सतर्क होना होगा। दरअसल, नशे के कारोबारियों व अपराधियों के नेक्सस से गंभीर अपराधों की पुनरावृत्ति होती है जिस पर वक्त रहते काबू पाने की जरूरत है। तभी राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधरेगी और आम आदमी का इस पर विश्वास बढ़ेगा। साथ ही समाज विज्ञानियों को मंथन करना होगा कि क्यों युवा गैंगस्टरों के दलदल में कूद रहे हैं।

आज के कार्टुन

मन का नियंत्रण

जग्गी वासुदेव

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए हैं। जब तक आप मन के नियंत्रण में हैं, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा-न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिए, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मो का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा। पर बुनियादी बात यह है कि आप नये भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मो को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आप अपने कर्मो के साथ खेल रहे हैं, तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

समावेशी प्रयासों से ही रुकेगी तबाही

एसपी वासुदेवा

युगों-युगों से बादल फटने की प्राकृतिक घटनाएं घाटियों, छोटी नदियों-नालों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाती आ रही हैं। प्रकृति से मानवजनित खिलवाड़ और अतिक्रमण के कारण ये घातक होते चले गए। बादल फटने की आवृति और तीव्रता में बढ़ोतरी के पीछे मौसम परिवर्तन मुख्य कारक है। यूं तो बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ों में होती हैं, लेकिन मैदानों में भी होती आई हैं। साल 2013 में केदारनाथ में बादल फटने से लगभग बड़ी जनहानि और करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन-जायदाद का नुकसान हुआ था। कुछ दिन पहले अमरनाथ गुफा की ठीक बगल में बादल फटने से भी काफी जानी-माली-भूमि नुकसान हुआ है। जुलाई, 2005 में मुंबई में बादल फटने से शहर की गतिविधियां थम गई थीं, सैकड़ों लोगों की जान गई और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जब एक छोटे क्षेत्र में वर्षा-वृष्टि की मात्रा 10 सेंटीमीटर प्रति घंटा दर्ज हो तो उसे बादल-फटना कहा जाता है। तथापि, बादल फटने पर अनेकानेक प्रबंधनों, राहत और जोखिम घटाने के लिहाज से 10 से.मी. प्रतिघंटा से कम तीव्रता वाली बारिश को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जा सकता है। जिस तरह बादल फटने की आवृति ने खतरनाक अनुपात धारण कर लिया है, उनका रणनीतिक प्रबंधन बेहतर करने की जरूरत है। आज की तारीख तक, घटना होने के बाद मुख्य जोर बचाव कार्य, निकासी और राहत उपायों पर केंद्रित होता आया है, जबकि आपदा प्रबंधन संहिता यानी तैयारी, प्रतिक्रिया, उबरना और राहत पर काम किया जाना चाहिए, जिसके तहत घटना से पहले वाले आरंभिक संकेत भांपकर चेतावनी, राहत और जोखिम घटाने के उपाय शुरू किए जाने पर बल है। आपदा-उपरांत आकलन के अध्ययन दर्शाते हैं कि इस किस्म के विपत्ति-पूर्व उपाय करना सुरक्षित, आर्थिक रूप से व्यावहारिक और फायदेमंद रहते हैं। जिन जगहों पर बादल फटने की संभावना अधिक है उनकी शिनाख्त और जोखिम मानचित्रण करके, इन जगहों पर प्रबंधन कार्य पहले ही शुरू किया जा सकता है। वास्तविक समय में बादल फटने की पूर्व चेतावनी देना वाला तंत्र अभी तक विकसित नहीं हो पाया है। डॉपलर राडार, जो कि मौसम में अप्रत्याशित बदलावों का पूर्वानुमान 3 से 6 घंटे पहले लगा लेते हैं, बादल फटने की पूर्व-चेतावनी में सहायक हो सकते हैं। यह प्रणाली पश्चिमी और पूरबी हिमालयी पर्वतों के अलावा मैदानों में भी कुछ जगहों पर स्थापित की जा चुकी है, जिनकी गिनती फिलहाल 33 है। भारी बारिश या बर्फबारी से संबंधित बहु-आपदा पूर्व-चेतावनी तंत्र में निरंतर बढ़ते उपयोग से इनकी उपस्थिति बढ़ती जा रही है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान विभाग इन्हें और उन्नत करवाकर संख्या 90 करना चाहता है ताकि भारी बारिश एवं बादल फटने का पूर्वानुमान कम से कम दो दिन पहले लगाने में मदद मिले और समय रहते इंसान-पशुधन-कीमती सामान हटाया जा सके। वर्षा ऋतु से पहले इंसानी और पशुधन का जानी नुकसान कम से कम हो, यह सुनिश्चित करने की खातिर हर साल पूर्व तैयारी करना एक अच्छी रिवायत की शुरुआत हो सकती है। यह कदम बादल फटने का जोखिम घटाने में आधा काम पूरा कर देंगे। राहत उपाय जैसे कि लोगों-पशुओं को घाटी से निकालकर सुरक्षित ऊंचाई पर पहुंचाना, बुनियादी ढांचे की उसारी, नदी-नालों से परे हटकर और बाढ़-सतह से ऊपर घर एवं व्यावसायिक भवन निर्माण, बरसाती एवं बाढ़ जल के बेहतर निस्तारण-प्रबंधन से आपदा जनित हानि न्यूनतम की जा सकती है। ढलानों से आने वाले पानी के बहाव का प्रबंधन, जो पर्वतीय बृहद परिदृश्य को स्थायित्व दे और भू-स्खलन, अचानक उफानी वेग, गाद प्रवाह और जमीन धंसने जैसी घटनाएं रोकने में मददगार हो, वह अपनाने की जरूरत है। यह रणनीतिक उपाय पहले उन जगहों पर क्रियान्वित किए जाएं, जहां विपत्ति आने की संभावना सबसे अधिक हो। इसी तर्ज पर मैदानों में भी, बरसाती पानी का निर्बाध प्रवाह अत्यधिक वर्षा एवं बादल फटने पर इंसानी, पशु और ढांचों की ज्यादा हानि रोक सकता है। पंचायती राज निकायों के स्रोतों की क्षमता और काबिलियत, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गैर-सरकारी संस्थान और समुदायों को साथ जोड़कर, अचानक बाढ़ और बादल फटने के बाद वाले राहत प्रबंधनों को लगातार सुधारा और सुदृढ़ किया जा सकता है। भारी बरसात और बादल फटने के बाद उभरने वाले छूत के रोगों से भी निपटना जरूरी है। यदि पूर्व-आपदा तैयारी के बाद भी बादल फटता है तब प्रतिक्रिया और बचाव कार्य करना एक आवश्यकता है। किसी भी आपदा से निपटने में केंद्रीय सरकार का राष्ट्रीय और राज्यों के आपदा प्रतिक्रिया बल और भारतीय सशस्त्र बल विश्वभर के सर्वश्रेष्ठ आपदा-सहायता तंत्रों में एक माने जाते हैं। फंसे लोगों और पशुओं को अपने परिष्कृत उपकरणों के साथ ढूंढ़ निकालने और डूबते लोगों को बचाने वाले प्रशिक्षित गोताखोरों के साथ यह बल समय रहते पूर्व-चेतावनी

मिलने पर आपदा से पहले इंसान-पशुओं को सुरक्षित जगह पंहुचाने और विपत्ति के बाद वाले समय में लोगों-जीवों को बचाते हैं। जहां कहीं आपदा राहत राशि आवंटन का कंप्यूटरीकरण होना बाकी है, उसे पूरा किया जाए ताकि जरूरतमंदों को धन तुरंत मिल पाए। विपत्ति-उपरांत जटिलताएं रोकने के लिए फौरी राहत के तौर पर भोजन, पानी, दवाएं मुहैया करवाने की जरूरत होती है। सतत आजीविका पुनः बनाने और लोगों का जीवन सामान्य करने हेतु पुनर्वास अभियानों का क्रियान्वयन किया जाए। जहां कहीं हानि बहुत ज्यादा मात्रा में हो, पुनर्निमाण एवं पुनर्वास युद्ध स्तर पर करने होते हैं। यह तमाम गतिविधियां आखिरी व्यक्ति तक पंहुचें, इसके लिए भागीदारी वाली निगरानी बनाकर राहत कार्य की प्रभावशीलता का वास्तविक समय में पता लगाया जा सकता है। बादल फटने की संभावना कम करने वाला मुख्य ध्येय प्राप्त करने की खातिर जोखिम घटाऊ और राहत उपायों को विकासशील नीतियों का हिस्सा बनाना, योजना एवं अभ्यास शामिल हैं। बादल फटने को अचानक बाढ़, भूस्खलन और बवंडर से जोड़कर इनके प्रबंधन की योजना एवं क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाए। इस बाबत भारत सरकार द्वारा दी गई मदद का यथेष्ट इस्तेमाल कर राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें आपदा प्रबंधन में समावेशी लचीलेपन वाला तंत्र बनाएं। आपदा प्रबंधन के इन तमाम उपायों का संयुक्त क्रियान्वयन करके, जैसा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति 2009 में शामिल किया गया है, बादल फटने पर समुचित प्रतिक्रियात्मकता बनाई जाए, यह कार्य संयुक्त राष्ट्र के आपदा जोखिम घटाने पर सेन्डाई सुझावों का पालन करना भी होगा, जिसकी प्राप्ति वर्ष 2030 से पहले करने में बहुत से मुल्क प्रयासरत हैं। लेखक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना निदेशक रहे हैं।

कमियों को मात देकर आगे बढ़ना ही जिंदगी

रेशम तलवार, गायिका

सूरदास साहित्य में चाहे जितने सराहे गए हों, लोक में उनका नाम 'तिरस्कार' का ही पर्याय बना रहा। 21वीं सदी के इस मोड़ पर भी तथाकथित सभ्य समाजों ने शारीरिक विकार के शिकार लोगों के लिए संबोधन तो बहुत प्यारे-प्यारे गढ़े, पर उनके व्यवहार में कोई खास फर्क नहीं आया। लेकिन सारी सामाजिक विद्रूपताओं से लड़ते हुए अपनी छोटी-सी उम्र में रेशम तलवार ने एक प्रेरक मिसाल कायम की है कि दिव्यांग भी जीने का सलीका जानते हैं और अगर अपने साथ दें, तो वे भी कमाल कर सकते हैं। उम्र के 25वें पड़ाव पर खड़ी दिल्ली की रेशम को कुदरत ने आंखें तो दी थीं, मगर वह उनमें रोशनी डालना भूल गई। बेटी की पैदाइश पर रिया और रविंदर तलवार बहुत खुश हुए थे, बेटे रवीश के बाद रेशम की आमद से उनका परिवार जो मुकम्मल हो गया था। लेकिन जब डॉक्टरों ने बताया कि नवजात बच्ची दृष्टि बाधित है, तो उन्होंने अपनी उस पीड़ा को अपने भीतर ही जज्ब कर लिया, ताकि उस मासूम जान को वे दुनिया की हिकारत भरी निगाहों से बचा सकें। पर सच्चाई कितने दिनों तक ओझल रहती? बहरहाल, माता-पिता और बड़े भाई की नजरों से नन्ही रेशम ने जिंदगी को टटोलना-समझना शुरू किया। यह तो कभी मापा ही नहीं जा सकता कि इसके लिए कितने धैर्य, कितनी करुणा की जरूरत पड़ती है, लेकिन तलवार परिवार ने बेटी को कभी स्नेह की कमी नहीं महसूस होने दी। माता-पिता ने तय किया कि बेटी को खुदमुख्तार बनाना होगा, ताकि वह एक गरिमामय जिंदगी जी सके। इसके लिए उसे नियमित शिक्षा दिलाने के साथ-साथ उसमें दुनिया का सामना करने लायक साहस भी भरना था। जाहिर है, रेशम के लिए ब्रेल लिपि सीखना बहुत जरूरी था। नन्ही बच्ची अकेली न पड़ जाए, इसलिए मां ने खुद भी उसके साथ ब्रेल लिपि सीखी। उन्हें कदम-कदम पर बेटी का साथ देना था। ब्रेल लिपि सीखने के बाद स्कूल में दाखिला मिलने में खास दिक्कत नहीं हुई। लेकिन जब दुनिया से सामना हुआ, तो उसकी खामियों से भी साबका पड़ना ही था। स्कूल के सहपाठी तो नादान थे, उनके गैर-संजीदा व्यवहार की शिकायत कोई क्या करता, तकलीफ तो तब होती थी, जब कोई शिक्षक या करीबी रिश्तेदार मर्म पर वार कर जाता। ऐसा अक्सर होता कि घर आया कोई करीबी संबंधी रेशम के दृष्टिदोष को लेकर सहानुभूति जताते हुए माता-पिता को यह एहसास कराने की कोशिश करता कि उन्हें तो अब उम्र भर अपनी बेटी की देखभाल करनी है। यह सब पूरे परिवार को दुखी कर देता था। कई बार शिक्षक भी धैर्य गंवा देते थे। सहपाठी नोट्स साझा करने से आनाकानी करते, तो शिक्षक अतिरिक्त वक्त देने से, लेकिन घर पहुंचने पर मां जैसे सारे जख्मों पर स्नेह का मरहम रख देती थीं। कक्षा में पिछड़ने का जो एहसास दिमाग पर सवार होकर घर चला आता था, मां-पिता व भाई का दुलार उसे मिनटों में धो देता और एक नई ऊर्जा के साथ रेशम पढ़ने में जुट जातीं। वह पढ़ने में हमेशा ही एक अच्छी छात्रा रहीं और यही कारण है कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए सीबीएसई ने उन्हें 'इंदिरा अवॉर्ड' से पुरस्कृत किया था। रेशम के माता-पिता संगीत की दुनिया से जुड़े रहे हैं, इसलिए घर का माहौल भी संगीतमय रहा। मां जागरण, देवी की चौकी आदि में गाया करती हैं, तो पिता संगीत तैयार करते हैं। रेशम ने बचपन से ही मां को हारमोनियम पर रियाज करते देखा था, लेकिन बेटी की संगीत-प्रतिभा से माता-पिता तब तक बेखबर रहे, जब तक कि उसने स्कूल प्रतियोगिता में खिताब न जीत लिया। उस वक्त रेशम सिर्फ 10 साल की थीं। तब मां को लगा कि रेशम को संगीत की औपचारिक शिक्षा दिलानी चाहिए। गुरु की तलाश हुई और पंडित सोमनाथ शर्मा के यहां रेशम ने शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू कर दिया। हालांकि, तब भी माता-पिता का आग्रह यही था कि रेशम अपनी अकादमिक शिक्षा पूरी करें। लेकिन वह तमाम प्रतियोगिताओं में शिरकत करती रहीं।बारहवीं करने के बाद रेशम दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज पहुंचीं। अब तक वह गीत-संगीत, रिकॉर्डिंग के क्षेत्र में करियर बनाने को लेकर गंभीरता से सोचने लगी थीं। कॉलेज के दोस्तों ने भी अलग अंदाज में उन्हें व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। वे कॉलेज के सभी सांस्कृतिक आयोजनों, महोत्सवों में न सिर्फ रेशम का नाम शामिल कराते, बल्कि उन्हें स्टार सिंगर के तौर पर पेश भी करते। इन कार्यक्रमों ने रेशम के भीतर एक अपूर्व आत्मविश्वास पैदा किया और वह सारेगामापा, इंडियल आइडल जैसे मशहूर रियलिटी कार्यक्रमों में भी गईं। हालांकि, इन बड़े मंचों पर उनका सफर छोटा रहा, मगर वहां से हासिल अनुभव और नाम ने उन्हें सैकड़ों कार्यक्रमों में गाने का मौका दिलाया। यही नहीं, रेशम ने अपनी प्रतिभा का विस्तार करते हुए जन्मदिन और शादी की सालगिरह जैसे मौकों पर लोगों के लिए 'जिंगल' रचने का काम भी शुरू कर दिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में मास्टर रेशम तलवार इन दिनों 'वॉयसओवर' कलाकार के तौर पर अपने को स्थापित करने में जुटी हैं। उन्होंने कई मशहूर उत्पादों के विज्ञापनों को अपनी आवाज दी है और कई प्रोजेक्ट पर अभी काम कर रही हैं। बकौल रेशम, 'अगर अपनों का साथ हो और आपकी कोशिश ईमानदार हो, तो कोई एक कमी आपकी राह कभी नहीं रोक सकती।' हम सबने अपने नसीब को कोसते हुए लोगों को खूब देखा है, लेकिन रेशम तलवार जैसे लोगों का संघर्ष, आत्मविश्वास और कामयाबी बताती है कि जिंदगी को बहानों की नहीं, बहादुरी की जरूरत होती है।

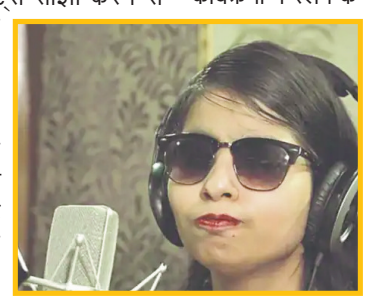

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2176

	9			2		4		6
5	4		9			7	1	
8		1		7				2
	8	9	1					7
		3		8		5		
6					7	2	3	
9		4		1		8		5
	5	6			9		2	4
1				4			7	

सू-दोकू -2175 का हल

8	7	6	4	9	2	5	3	1
9	1	4	5	7	3	2	8	6
2	3	5	6	1	8	9	7	4
1	8	9	2	5	7	6	4	3
5	6	2	1	3	4	7	9	8
7	4	3	9	8	6	1	2	5
4	5	7	8	6	9	3	1	2
3	2	1	7	4	5	8	6	9
6	9	8	3	2	1	4	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2176

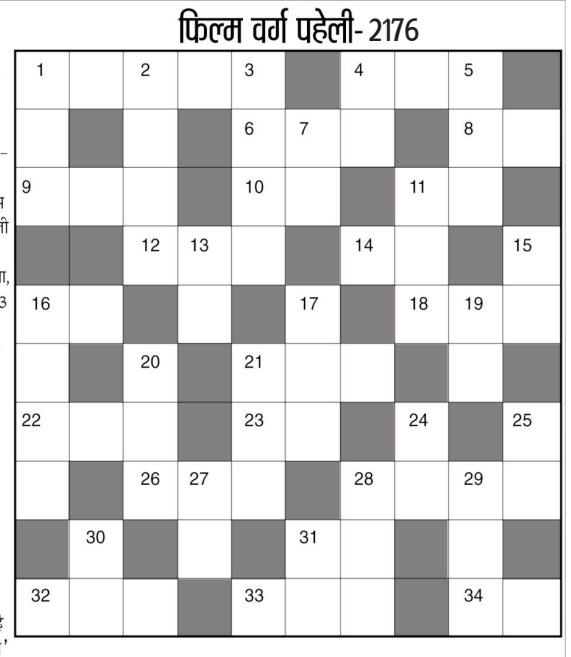

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ नायिका कौन थी-2,3
4. बॉबी देओल, करिश्मा कपूर की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
8. मोहित अहलावत, निशा कोठारी की 'कैसे कहें तम्हें कैसे कहें' गीत वाली फिल्म-2
9. सैफअली खान,काजोल की फिल्म-3
10. फिल्म 'विक्टोरिया नं.203' में ओम पुरी के किरदार का नाम-2
11. शाहरुख, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय, प्रिया गिल की फिल्म-2
12. किरण झंजानी, गणेश यादव, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा शर्मा की 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'घातक' में सनी देओल के किरदार का नाम-2
16. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
18. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
21. देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-3
22. 'सात सहेलियां खड़ी खड़ी' गीत वाली फिल्म-3
23. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
26. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
28. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीतवाली फिल्म-4
31. मिथुन, स्वाति, मानवी गोस्वामी की फिल्म-2
32. अजय देवगन, आयशा टाकिया की फिल्म-3
33. राजेंद्र कुमार, कामिनी कदम की 'हाथों में किताब है' गीत वाली फिल्म-3
34. फिल्म 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी-2

ऊपर से नीचेः-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की 'मिलन अभी अधूरा है' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली शाहरुख खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-4
3. राजेश खन्ना, श्रीदेवी, स्मिता पाटिल की 'इससे पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
5. परदेसी अनजाने से लगते हैं' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही के किरदार का नाम-2
11. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी,मीनाक्षी की फिल्म-3
13. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2
15. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
16. 'धीरे धीरे इस दिल का' गीत वाली शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म-2,2
17. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
19. दिलीपकुमार, रेखा,ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
20. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
21. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी गली में' गीत वाली भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
24. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर, नेहा की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
27. अजय, जॉन, विवेक, लारा, एशा देओल की 'तौबा तौबा इश्क' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जीवन भर ढूंढ़ा जिस को' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3
29. 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीतवाली फिल्म-3
30. सनी देओल, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
31. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2175

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्जा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रे		
खी			वां		म	न	प	सं	द

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह यूरोप के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी ओर बैंक शेयरों में भारी खरीददारी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 547.83 अंक करीब 0.99 फीसदी ऊपर आकर 55,816.32 अंक पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 157.95 अंक तकरीबन 0.96 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,641.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.39 की बढ़त आई। इसके अलावा एसबीआई, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और इंडसइंड बैंक के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर नीचे आये हैं। इन्हें 1.32 फीसदी तक का नुकसान उठाना पड़ा है।

कारोबार के दौरान सन फार्मा , एसबीआई, एलएंडटी, डिविस लैब और एशियन पेंट के शेयर बढ़े हैं जबकि भारती एयरटेल, बजाज ऑटो , हीरो मोटो कॉप, यूपीएल और कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर गिरे हैं। सभी सेक्टोरल इंडेक्स 1 से 2 फीसदी बढ़त पर बंद हुए। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की को लाभ हुआ। चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार निफ्टी ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के पहले गिरावट का सिलसिला तोड़ दिया।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में हल्की गिरावट

नई दिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बुधवार को फिर गिरावट हुई है। सुबह ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण 0.10 फीसदी गिरकर 968.31 बिलियन डॉलर रह गया है। बिटकॉइन और इथेरियम में गिरावट है, जबकि टॉप 20 में शामिल कुछ करेंसीज़ में हल्की बढ़त भी हुई है। बिटकॉइन का ग्राइस 0.35 फीसदी गिरकर 21,080.78 डॉलर पर कारोबार कर रहा` था। पिछले 7 दिनों में बिटकॉइन 9.99 प्रतिशत गिर चुका है। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम की कहमत पिछले 24 घंटों में 0.42 फीसदी गिरावट के साथ 1,425.01 डॉलर है। पिछले 7 दिनों में यह 8.55 गिरा है । बाजार में बिटकॉइन का डोमिनेंस 41.6 प्रे तिशत है तो इथेरियम का डोमिनेंस 17.9 प्रे तिशत है।

एलएंडटी का मुनाफा 3.63 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई । वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही में लार्सन एंड टुब्रो का मुनाफा 45 फीसदी बढ़कर 1702 करोड़ हो गया। जबकि राजस्व में भी 22 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली। इस दौरान कंपनी की मार्जिन में भी सुधार नजर आया। कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 3 लाख 63 हजार करोड़ रुपए पहुंच गई। एक जेफे रिज की कंवनी पर निवेश रणनीति बताते हुए इस पर खरीदारी की राय दी है। उनका मानना है कि इस शेयर में 2215 रुपये प्रति शेयर के भाव देखने को मिल सकते हैं। उनका कहना है कि कंपनी का राजस्व और ऐ बि टिडा 11 फीसदी और 10 फीसदी रहा जो कि उम्मीद से ज्यादा रहा। सालाना आधार पर कंपनी की ऑर्डर फ्लो ग्रोथ मजबूत होकर 57 फीसीदी रही। मैनेजमेंट का कहना है कि उन्होंने ऑर्डर फ्लो और रेवन्यू ग्रोथ गाइडेंस सालाना 12-15 फीसदी पर बरकरार रखा है।

रुपया 10 पैसे टूटकर 79.88 पर

मुंबई । विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत रहने और कच्चे तेल की कीमतों में बनी तेजी के बीच बुधवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे टूटकर 79.88 रुपए प्रति डॉलर के भाव पर आ गया। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.83 के भाव पर खुला लेकिन जल्द ही यह 79.88 के स्तर पर खिसक गया। इस तरह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में ही 10 पैसे टूट गया।

जेट एयरवेज ने पायलटों की भर्ती शुरू की

नई दिल्ली । जेट एयरवेज ने एयरबस ए320, बोइंग 737एनजी और 737 मैक्स विमानों के लिए पायलटों की भर्ती शुरू कर दी है। घरेलू विमानन कंपनी को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 मई को हवाई परिचालक का प्रमाणपत्र मिला था। जेट एयरवेज ने ट्वीट कर कहा` कि हम एयरबस ए320 और बोइंग 737एनजी या मैक्स विमान चलाने वाले पायलटों को आवेदन करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। वर्तमान में कंपनी के बड़े में केवल एक बी737एनजी विमान है। एयरलाइन को सितंबर को समाप्त होने वाली तिमाही में अपना वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की उम्मीद है।

कोकिंग कोयला खनन में निवेश जरूरी: कुलस्ते

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि देश में इस्पात उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कोकिंग कोयला खनन क्षेत्र में निवेश की जरूरत है। इस्पात राज्यमंत्री कुलस्ते ने कहा कि बीएफ-बीओएफ (ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस) के जरिये इस्पात उत्पादन के लिये लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो महत्वपूर्ण कच्चे माल हैं। देश लौह अयस्क के मामले में आत्मनिर्भर है लेकिन वित्त वर्ष 2021-22 में 12 करोड़ टन कच्चे इस्पात के उत्पादन के लिये 5.7 करोड़ टन कोकिंग कोयले का आयात किया गया। इस्पात मंत्रालय ने मंत्री के हवाले से एक बयान में कहा` कि देश के लिए इस्पात की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी कोकिंग कोयला खनन और वॉशिंग टेक्नोलॉजीज के विकास में निवेश करना समय की जरूरत है। मेटालॉजिक पीएमएस के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश में कम मात्रा में कोकिंग कोल की उपलब्धता को देखते हुए कोकिंग कोल के आयात की मात्रा में वृद्धि जारी रहेगी। इसका कारण देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 2030-31 तक 30 करोड़ टन तक पहुंचने का लक्ष्य है। देश में लगभग 34 अरब टन कोकिंग कोयले का संसाधन है, जिसमें से लगभग 18 अरब टन पहले ही प्रमाणित हो चुका है। खनन और वॉशिंग के संदर्भ में प्रौद्योगिकी का विकास होने से देश को आत्मनिर्भर बनाने के अलावा रोजगार के अवसर पैदा करने और शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की प्रक्रिया को तेज करने में भी मदद मिल सकती है।

बड़ी कंपनियों में घरेलू निवेशकों के पास इक्विटी बढ़कर 25.6 प्रतिशत हुई

मुंबई । इस साल देश की 75 बड़ी कंपनियों में अप्रैल-जून तिमाही में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के मुकाबले घरेलू निवेशकों के पास इक्विटी शेयर की संख्या अधिक हो गई है। एक ब्रोकरेज कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार घरेलू निवेशकों (म्यूचुअल फंड और व्यक्तिगत) के पास जून, 2022 में संयुक्त रूप से इक्विटी 7.20 प्रतिशत बढ़कर 25.6 प्रतिशत हो गई। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास उपलब्ध शेयर 2.30 प्रतिशत घटकर 24.8 प्रतिशत रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून तिमाही में 75 कंपनियों में घरेलू निवेशकों का मालिकाना हक 0.9 प्रतिशत बढ़ा जबकि एफपीआई के मामले में यह 0.84 प्रतिशत घटा है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से ये कंपनियां बड़ी हैं। एफपीआई का स्वामित्व दिसंबर, 2014 के बाद 2.32 प्रतिशत घटा, जबकि सालाना आधार पर 2.63 प्रतिशत कम हुआ है। प्रवर्तकों की हिस्सेदारी भी सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत, तिमाही आधार 0.05 प्रतिशत तथा 2014 के बाद से 3.26 प्रतिशत कम हुई है। रिपोर्ट के अनुसार इन कंपनियों में वित्तीय संस्थानों की हिस्सेदारी सालाना आधार पर 0.39 प्रतिशत जबकि तिमाही आधार पर 0.64 प्रतिशत बढ़ी। वहीं 2014 के बाद से यह 0.17 प्रतिशत घटी है। दूसरी तरफ घरेलू म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी तीनों अवधि के दौरान क्रमश- 0.49 प्रतिशत, 1.44 प्रतिशत और 5.80 प्रतिशत बढ़ी है। सार्वजनिक या खुदरा निवेशकों की इन कंपनियों में हिस्सेदारी सालाना आधार पर 0.01 प्रतिशत, तिमाही आधार पर 0.36 प्रतिशत तथा 2014 से 1.57 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी जून में 44.9 प्रतिशत रही जो सितंबर, 2021 के 45.4 प्रतिशत के मुकाबले कम है।

5जी स्पेक्ट्रम 14 अगस्त तक आवंटित करने का लक्ष्यः दूरसंचार मंत्रालय

नई दिल्ली ।

दूरसंचार मंत्रालय का कहना है कि देश में पांचवीं पीढ़ी (5जी) के स्पेक्ट्रम 14 अगस्त तक आवंटित करने का लक्ष्य है जबकि 5जी सेवाएं साल के अंत तक कई शहरों में शुरू होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 5जी के स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए मंगलवार को पहले दिन 1.45 लाख करोड़ रुपए की बोलियां आईं। मुकेश अंबानी, सुनील भारती मित्तल और गौतम अडानी की कंपनियों ने रेडियो तरंगों की अब तक की सबसे बड़ी नीलामी के लिए बोली लगाई। सभी चारों आवेदनकर्ता अंबानी की रिलायंस जियो, मित्तल की भारती एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और अडाणी समूह की कंपनी ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग लिया। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में भी बोलियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को बोली के पहले दिन 1.45 लाख करोड़ रुपए की बोलियां मिली। यह उम्मीद से कहीं अधिक और 2015 के रिकॉर्ड को पार कर गया है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, नीलामी के दौरान यह पता नहीं चलेगा कि किस कंपनी ने कितना स्पेक्ट्रम हासिल किया है। पहले दिन चार दौर की नीलामी हुई है। मध्यम और उच्च बैंड में कंपनियों की रुचि अधिक रही। कंपनियों ने 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में मजबूती से बोलियां रखीं।

दूरसंचार मंत्री के अनुसार बोली में शामिल चारों कंपनियों की भागीदारी मजबूत है। नीलामी को लेकर कंपनियों की जो प्रतिक्रिया है, उससे लगता है कि वे कठिन समय से बाहर निकल आई हैं। 5जी सेवाओं के आने से इंटरनेट की गति 4जी के मुकाबले करीब 10 गुना अधिक होगी। इसमें इंटरनेट की गति इतनी होगी कि मोबाइल पर एक फिल्म (मूवी) को कुछ सेकेंड में ही डाउनलोड किया जा सकेगा।

साथ ही इससे ई-स्वास्थ्य, मेटावर्स, अत्याधुनिक मोबाइल क्लाउड गेमिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। नीलामी (600 मेगाहर्ट्ज, 700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज), मध्यम (3300 मेगाहर्ट्ज) और उच्च (26 गीगाहर्ट्ज) आवृत्ति बैंड के स्पेक्ट्रम के लिए आयोजित की जा रही है। नीलामी बुधवार को भी जारी रहेगी।

प्रीमियम एसयूवी हयूदै टूकसन से पर्दा उठाया

-भारतीय बाजार में धूम मचाने की तैयारी में हुंडई

नई दिल्ली ।

भारत में हुंडई मोटर्स कंपनी ने प्रीमियम एसयूवी हयूदै टूकसन से पर्दा उठाया । खबर आ रही है कि प्रीमियम हैचबैक कार हुंडई आई30 की अगले कुछ सालों में भारत में एंट्री हो सकती है। अभी मिल रही जानकारी के मुताबिक आई30 में बोल्ड डिजाइन और स्पोर्टी लुक के साथ ही काफी अडवांस फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। हुंडई कंपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी आई30 के बारे में जानकारी दी गई है।

हुंडई की वेबसाइट पर दिख रही आई30 की तस्वीर के मुताबिक, इस प्रीमियम हैचबैक की लंबाई ज्यादा होगी और इसमें लेटेस्ट डिजाइन के साथ ही स्पोर्टी फ्रंट लुक दिया जाएगा। हुंडई आई30 में स्पोर्टी ग्रिल और हेडलैंप, शानदार टेललैंप और चौड़े टायर देखने को मिलेंगे। हुंडई आई30 को कई सारे आकर्षक कलर ऑप्शंस के साथ बाजार में उतारा जाएगा। वहीं, बात करें फीचर्स की तो इसमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जिंग, बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूलिंक कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, शानदार डैशबोर्ड और एंबिएंट लाइट समेत कई प्रीमियम फीचर्स देखने को मिलेंगे। इस प्रीमियम हैचबैक में लेदरेट और वेंटिलेटेड सीट्स भी दिए जाने की संभावना है। इस कार के इंडिया लॉन्च पर अभी जानकारी सामने नहीं आई है। वर्तमान में भारत में हुंडई i20 सेल की जाती है और काफी पॉपुलर भी है।अपकमिंग हुंडई आई30 में पावरफुल इंजन देखने को मिल सकता है और यह इंजन 48वी माइल्ड हाइब्रिड सिस्टम के साथ ही इंटेलिजेंट मैनुअल ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ आएगा। माना जा रहा है कि आई30 माइलेज के मामले में अपने सेगमेंट की बाकी कारों के मुकाबले बेहतर हो सकती है ।

वित्त वर्ष 2021-22 में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात बढ़ा

- 2025 तक एक लाख करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य

अमरावती ।

समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात में आई तेजी से समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) ने वर्ष 2025 तक एक लाख करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य रखा है। एमपीईडीए के चेयरमैन के एन राघवन ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्राधिकरण ने एक ऐसी पारिस्थितिकी बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है जो विविध समुद्री उत्पादों की पेशकश कर बढ़त को दीर्घकालिक रूप से कायम रखे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए 2018-19 से ही मुश्किल दौर शुरू हो गया था। फिर कोविड-19 महामारी भी आ गई। इस क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने में लॉजिस्टिक से जुड़े मुद्दों की भी भूमिका रही। लेकिन पिछले वित्त वर्ष में हमारा निर्यात बढ़ा है। वित्त वर्ष 2021-22 में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात बढ़कर 774 करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। निर्यात में यह वृद्धि मालढुलाई किराया बढ़ने और कंटेनरों की कमी के बावजूद दर्ज की गई जो अपने-आप में प्रशंसनीय है। अब हमने वर्ष 2025 तक एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य तय किया है। हम एक ऐसी पारिस्थितिकी बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें निर्यात वृद्धि का सिलसिला कायम रखा जा सके और आने वाले समय में तेजी बनी रहे।

अब इलेक्ट्रिक कार की बैटरी सौर ऊर्जा से चलते-चलते ही हो जाएगी चार्ज

नई दिल्ली ।

अब आपको कार को पेट्रोल-डीजल और न हीं चार्जिंग स्टेशन पर ईवी को चार्ज करने की झंझट से मुक्ति मिलेगी क्योंकि अब बाजार में ऐसी इलेक्ट्रिक कार आ गई है, जिसकी बैटरी सौर ऊर्जा से चलते-चलते ही चार्ज हो जाएगी। जर्मन ऑटोमेकर सोनो मोटर्स ने हाल ही में अपनी इस कार से पर्दा उठाया है। जर्मन स्टार्ट अप सोनो मोटर्स इलेक्ट्रिक कारों के सेगमेंट में `दि` सिआन नामक फाइनल सीरीज प्रोडेक्शन वर्जन पेश किया है। सोलर पावर से चलने वाली इस इलेक्ट्रिक कार का उत्पादन साल 2023 में शुरू होने की तैयार की जा रही है। इस कार के बाजार में आने के बाद इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने के झंझट से मुक्ति मिलेगी। इस संस्करण का अनावरण करते हुए सोनो मोटर्स ने इस कार के उत्पादन के संबंध में आने वाले सात वर्षों के लिए तय किए गए लक्ष्य का खुलासा भी किया है। इसके तहत कंपनी इस अवधि में 215 लाख यूनिट्स का निर्माण करने की तैयारी कर रही है।जर्मनी की इस कार निर्माता कंपनी सोनो मोटर्स का कहना है कि द सायन में लगी बैटरी एकबार फुल चार्ज होने पर करीब 300 किलोमीटर की रेंज दे सकती है। यह पांच दरवाजों वाली इलेक्ट्रिक कार है, जिसमें 456 सौलर पैनल लगाए गए हैं। इनकी मदद से गाड़ी एक सप्ताह में करीब 112 किलोमीटर ज्यादा दूरी तय कर सकती है।

टीवीएस जुपिटर सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर

- एक्टिवा को मिल रही है कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

भारत में होंडा एक्टिवा के बाद टीवीएस जुपिटर सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर है। यह अच्छे लुक-फीचर्स के साथ ही माइलेज में भी जबरदस्त है। जुपिटर 110 सीसी के साथ ही 125 सीसी सेगमेंट में भी है। टीवीएस जुपिटर 110 सीसी की ज्यादा बिक्री होती है। टीवीएस जुपिटर 110 के कुल 6 वेरिएंट्स हैं, जिनकी एक्स शोरूम कीमतें 69,571 रुपये से लेकर 83,646 रुपये तक है और यह स्कूटर 109.7 सीसी के इंजन से लैस है, जो कि 7.88 पीएस तक की पावर और 8.8 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करती है।

टीवीएस का यह स्कूटर 64 केएमपीएल तक माइलेज दे सकता है और इस स्कूटर में डिस्क ब्रेक, अडजस्टेबल मोनोशॉक समेत कई खास खूबियां हैं और इसके टॉप वेरिएंट में इंटेलीगो फीचर भी है जुपिटर के बेस मॉडल टीवीएस जुपिटर शीट मेटल व्हील की कीमत 69,571 रुपये है और वहीं, जुपीटर एसटीडी वेरिएंट की कीमत 72,571 रुपये है। टीवीएस जुपिटर झेडएक्स वेरिएंट को आप 76,846 रुपये में खरीद सकते हैं।

टीवीएस जुपिटर कलासिक वेरिएंट की कीमत 80,316 रुपये है। टीवीएस जुपिटर झेडएक्स डिस्क विथ इंटलिगो वेरिएंट की कीमत 80,646 रुपये है और आखिर में जुपिटर झेडएक्स स्मार्टएक्सोनेक्ट वेरिएंट की कीमत 83,646 रुपये है। स्कूटर की ये सभी एक्स शोरूम, दिल्ली प्राइस हैं। बता दें कि भारत में बाइक की तरह ही स्कूटर की भी अच्छी बिक्री होती है।

सीसीपीए ने उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता और चेतना बढ़ाने अभियान शुरू किया

- हेलमेट, प्रेशर कुकर और रसोई गैस के बाद सीसीपीए अब इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं पर करेगा कार्रवाई

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बीआईएस मानकों के अनुरूप सामान खरीदने के लिए उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता और चेतना बढ़ाने के लिए अभियान शुरू किया है। अभी हाल ही में सीसीपीए ने देशभर में कई बैटरी से चलने वाले वाहनों में आग लगने के घटनाओं के मद्देनजर कई इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि सीसीपीए ने 24 जुलाई, 2022 को अपनी स्थापना के दो साल पूरे किए हैं। इस मौके पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने कहा कि सीसीपीए ने अब तक 129 नोटिस जारी किए हैं, इनमें गुमराह करने पर 71, व्यापार के लिए कपटपूर्ण तरीके अपनाने पर 49 और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने पर 9 के खिलाफ नोटिस जारी किए हैं। सीसीपीए ने अपना पहला सुरक्षा नोटिस हेलमेट, प्रेशर कुकर और रसोई गैस सिलेंडर के संबंध में जारी किया था और दूसरा सुरक्षा नोटिस इलेक्ट्रिक इमल्शन वॉटर हीटर, सिलाई मशीन, माइक्रोवेव ओवन, एलपीजी के साथ घरेलू गैस स्टोव आदि घरेलू सामानों के संबंध में जारी किया गया था।

सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को ऐसे घरेलू सामान, जिनमें वैध आईएसआई मार्क नहीं है, जैसे इलेक्ट्रिक इमर्शन वॉटर हीटर, सिलाई मशीन, खाद्य पैकेजिंग के लिए एल्युमिनियम फॉयल आदि खरीदने के प्रति सचेत करने के लिए सुरक्षा नोटिस भी जारी किए हैं। ऐसे सामानों के लिए अनिवार्य मानकों का उल्लंघन सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालता है और उपभोक्ताओं को भयंकर नुकसान या चोट लगने के खतरे में डालता है। सीसीपीए ने 21 जनवरी 2020 को बीआईएस कानून, 2016 की धारा 16(1) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा जारी घरेलू प्रेशर कुकर (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के उल्लंघन में प्रेशर कुकर बेचने वाली ई-कॉमर्स संस्थाओं के खिलाफ संज्ञान लिया है. मुकदमा दायर करने की सीसीपीए का अधिकार उसकी एक अनूठी विशेषता है जो पिछले उपभोक्ता संरक्षण कानून, 1986 में मौजूद नहीं थी।

आईएमएफ ने भारत के आर्थिक विकास दर का अनुमान घटाया

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के आर्थिक विकास दर के अनुमान को घटा दिया है। इसे 8.2 फीसदी से घटाकर 7.4 फीसदी कर दिया गया है। इस तरह आईएमएफ ने इसमें 0.8 फीसदी की कटौती की है। उसका कहना है कि वैश्विक कारणों के असर और सख्त मॉनिटरी पॉलिसी के कारण भारत की आर्थिक विकास दर कम रह सकती है। हालांकि यह आरबीआई के अनुमान से थोड़ा अधिक है। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष में जीडीपी के 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। अगले वित्त वर्ष यानी 2023-24 में भारतीय इकॉनमी के 6.1 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है।

आईएमएफ ने कहा कि महंगाई पर काबू पाना सरकार की पहली प्राथमिकता है। इस कारण मॉनिटरी पॉलिसी में सख्त फैसले लिए जा रहे हैं। आरबीआई ने हाल में रेपो रेट में दो किस्तों में 90 बेसिस अंक की बढ़ोतरी की है। देश में महंगाई अब भी केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। इसलिए माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में भी नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की जा सकती है। आईएमएफ का कहना है कि 2021 में ग्लोबल रिकवरी देखने के बाद 2022 में दुनियाभर की वित्तीय स्थिति बेहद सख्त होती जा रही है। अच्छी बात यह है कि चीन और अमेरिका की तुलना में भारतीय इकॉनमी की रफ्तार ज्यादा तेज रहने का अनुमान है। आर्थिक विकास दर के अनुमान को घटाने के बावजूद भारत 2022-23 और 2023-24 में दुनिया में तेज गति से विकास करने वाली इकॉनमी रहेगा।

भारत को मिली 2025 महिला विश्वकप क्रिकेट की मेजबानी

नई दिल्ली । भारत ने 2025 महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट की मेजबानी हासिल कर ली है। भारतय क्रिकेट बोर्ड बोर्ड बीसीसीआई ने बर्मिंघम में हुए आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान इस मेगा टूर्नामेंट की मेजबानी हासिल की। यह टूर्नामेंट एक दशक से अधिक समय बाद देश में फिर से होगा। इससे पहले भारत में 50 ओवर का एकदिवसीय विश्व कप साल 2013 में आयोजित किया था। तब मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 114 रनों से हराकर खिताब जीता था। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मेजबानी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'हम आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेजबानी करने के इच्छुक थे और हमें खुशी है कि हमें इसकी मेजबानी मिल गई।' वहीं इसके अलावा तीन अन्य आईसीसी महिला टूर्नामेंटों की मेजबानी बांग्लादेश , इंग्लैंड और श्रीलंका को मिली है।

सीडब्ल्यूजी में शीर्ष सम्मान के लिए भिड़ने को तैयार 6,500 एथलीट

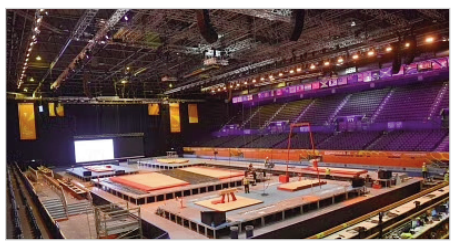

(एजेंसी)

राष्ट्रमंडल गेम्स के 22वें संस्करण के लिए इंग्लैंड के बर्मिंघम में 72 देशों के 6,500 खिलाड़ी और टीम अधिकारी गुरुवार से शुरू होने वाले मेगा टूर्नामेंट में 280 पदक स्पर्धाओं में जीतने की उम्मीद में यहां एकत्रित होंगे। ओलंपिक के बाद दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट बर्मिंघम 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों और क्षेत्रों के प्रतियोगियों ने प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रवेश किया। खेल गुरुवार को एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ खेला जाएगा, जिसमें शुक्रवार से शुरू होने वाली प्रतियोगिताएं होंगी। बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेल अद्वितीय हैं, क्योंकि पहली बार एक बहु-राष्ट्रीय, बहु-अनुशासन खेल आयोजन में, उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में महिला प्रतियोगियों के लिए अधिक आयोजन होंगे। बर्मिंघम में पुरुषों के 134 आयोजनों की तुलना में 136 महिला स्पर्धाएं होंगी। 10 मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी। जबकि 3गुणा3 बास्केटबॉल ने राष्ट्रमंडल खेलों की शुरूआत की, कुआलालंपुर में 1998 के संस्करण के बाद महिलाओं के टी20 के रूप में क्रिकेट प्रतियोगिता कार्यक्रम को भी शामिल किया गया है। सभी 61 देशों ने अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं और आयोजकों को उम्मीद है कि 2022 में कुछ और देश अपना पहला पदक जीतेंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों को इस बार अपनी उम्मीदों पर नियंत्रण रखना पड़ सकता है, क्योंकि निशानेबाजी और तीरंदाजी को शामिल न करने के कारण देश की कुल पदक तालिका प्रभावित होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों के पिछले संस्करण में 66 पदक हासिल किए थे और निशानेबाजी ने उनमें से 16 में योगदान दिया था, जिसमें भारत ने जीते 26 स्वर्ण पदकों में से सात शामिल थे। भारतीय बर्मिंघम में 15 खेल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। हालांकि भारतीय पैरा-स्पोर्ट्स और एथलेटिक्स में इस कमी को पूरा करने के लिए कुछ पदक जीतने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन यह अभी भी पर्याप्त नहीं हो सकता है। हालांकि, अगर वे अपने गोल्ड कोस्ट के 66 पदकों की बराबरी करने का प्रबंधन करते हैं, तो यह उस दल के लिए एक बड़ी बढ़त होगी, जो पहले ही भाला फेंकने वाले नीरज चोपड़ा में एक निश्चित-शॉट पदक विजेता खो चुका है, जो अपने द्वारा गोल्ड कोस्ट में जीते गए स्वर्ण पदक का बचाव नहीं करेगा। चोपड़ा को संयुक्त राज्य अमेरिका के ओरेगन में एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के दौरान लगी चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना पड़ा, जहां उन्होंने समग्र प्रदर्शन के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला रजत पदक जीता। समीकरण से बाहर शूटिंग के साथ, भारत को कुश्ती, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्क्वैश और एथलेटिक्स से पदकों को हासिल करने की उम्मीद है। अनुमान के अनुसार, भारतीयों को अर्धशतक का आंकड़ा पार करना चाहिए, हालांकि नई दिल्ली में 2010 के संस्करण में हासिल किए गए 100 से अधिक के अपने सर्वश्रेष्ठ पदक की बराबरी करना, बर्मिंघम में भाग लेने वाले 215 खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा सवाल साबित हो सकता है। निशानेबाजी और तीरंदाजी के अलावा, बर्मिंघम में खेल कार्यक्रम से गायब होने वाले अन्य खेल कलात्मक तैराकी, बास्केटबॉल (5गुणा5), गेंदबाजी, तलवारबाजी, नौकायन और वाटर पोलो हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खेलों और पदक तालिका में दबदबा बनाने की उम्मीद है जैसा कि उसने पिछले कई संस्करणों में किया है। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में 2,419 पदक जीते हैं, जो 1930 में ब्रिटिश साम्राज्य खेलों के रूप में शुरू हुआ था और उम्मीद है कि इस संख्या में लगभग 200 पदक और जुड़ जाएंगे।

अय्यर ने आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी

धवन 13वें स्थान पर पहुंचे

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की बुधवार को जारी एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान शिखर धवन एक स्थान ऊपर आये हैं। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबी छलांग लगायी है। धवन एक पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। धवन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में 97 रन बनाये थे जिसका लाभ उन्हें मिला है। वहीं अय्यर 20 पायदान की लंबी छलांग लगाकर बल्लेबाजों की सूची में 54वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अय्यर ने पहले 2 एकदिवसीय में 54 और 63 रन बनाये थे। बल्लेबाजी में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा एक स्थान नीचे फिसलकर पांचवें और छठे नंबर पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप 3 पायदान ऊपर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दूसरे मैच में 115 रन बनाये थे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक दो स्थान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे मैच में नाबाद 82 रन बनाए थे। वहीं टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में शीर्ष-100 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में 57 रन देकर 2 विकेट लिए थे और वह रैंकिंग में अभी 97वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट शीर्ष पर हैं। इंडीज गेंदबाजों में अलजारी जोसफ दो पायदान ऊपर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में इंग्लैंड के डेविड विली 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हम पोडियम फिनिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं : हॉकी कप्तान मनप्रीत और कोच रीड

बर्मिंघम।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और मुख्य कोच ग्राहम रीड ने बुधवार को कहा कि वे रविवार को घाना के खिलाफ अपने शुरुआती मैच की तैयारी अच्छे से कर रहे हैं। उनका लक्ष्य पोडियम पर फिनिश करना है। राष्ट्रीय टीम राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) के 12वें संस्करण के लिए शनिवार को यहां पहुंची और उनके आगमन के बाद से ही वे इस विशाल प्रतियोगिता में पोडियम फिनिश करने का लक्ष्य रखते हुए जोरदार प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारतीय हॉकी प्रशंसकों की उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर, कोच रीड ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी की अपेक्षाएं हमारी अपनी अपेक्षाओं से अधिक हैं। हमें वास्तव में खुद से अधिक उम्मीदें हैं। मुख्य कोच ने कहा, बेशक, हम बाहरी उम्मीदों के बारे में बहुत कुछ नहीं कह सकते हैं, लेकिन हम अपनी उम्मीदों के बारे में बहुत कुछ कर सकते हैं, क्योंकि हम ही हैं जो इसे नियंत्रित कर सकते हैं। इस बीच, घाना के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के पहले मैच में भारत के लिए अपना 300वां प्रदर्शन करने वाले मनप्रीत सिंह ने कहा, मैं भारत के लिए 299 मैच खेलकर वास्तव में खुश हूं। मैं इसे लेकर उत्साहित हूं लेकिन फिलहाल मेरा ध्यान इस पर है।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

नई दिल्ली ।

बर्मिंघम में गुरुवार से शुरु हो रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। भारतीय खिलाड़ियों का हर बार इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन रहा है हालांकि इस बार निशानेबाजी नहीं होने से हालात अलग होंगे क्योंकि निशानेबाजी में भारत को काफी ज्यादा पदक मिलते आये हैं। भारत ने अब तक ब्रिटेन में पांच बार राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग लिया है। .भारत ने पहली बार राष्ट्रमण्डल खेलों में साल 1934 में भाग लिया था जिनका आयोजन लंदन में किया गया था। भारत ने तब केवल दो खेलों एथलेटिक्स और कुश्ती में हिस्सा लिया। तब पहलवान राशिद अनवर ने 74 किग्रा में कांस्य जीतकर भारत को पहला पदक दिलाया था। वहीं वेल्स के कार्डिफ में 1958 में हुए खेलों में भारत पहली बार दो स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा था। भारत को ये स्वर्ण पदक महान धावक मिल्खा सिंह और पहलवान लीला राम ने दिलाए थे जबकि पहलवान लक्ष्मी कांत पांडे ने रजत पदक जीता था पर भारत इससे पहले सिडनी में 1938 और वेंकूवर में 954 खेलों में कोई पदक नहीं जीत सका था।

इसके बाद ब्रिटेन में 1970 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन हुआ। इसमें में भारत ने 12 पदक जीते थे जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल थे। भारत ने अपने पांचों स्वर्ण और तीनों रजत पदक कुश्ती में जीते थे। भारत की ओर से तब पहलवान वेद प्रकाश, सुदेश कुमार, उदय चंद, मुख्तियार सिंह और हरिश्चंद्र बिराजदार ने स्वर्ण हासिल किया था।

एडिनबर्ग में ही 1986 में राष्ट्रमण्डल खेलों म्स का आयोजन किया गया था जिनमें भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। इसके बाद मैनचेस्टर में 2002 में ये खेल हुए थे। भारत ने तब अपना उस समय तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मैनचेस्टर 2002 में भारत ने 30 स्वर्ण पदक सहित कुल 69 पदक जीतने में सफल रहा था जिसमें से भारत को 14 स्वर्ण निशानेबाजी में मिले थी। भारत इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था। इस बार इन खेलों में निशानेबाजी शामिल नहीं होने से भारत की रैंकिंग प्रभावित होना तय है।

संक्षिप्त समाचार

महिला आईपीएल में खेल सकती है मिताली

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मिताली राज अगले साल महिला आईपीएल में खेल सकती हैं। मिताली ने इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज इशा गुहा और न्यूजीलैंड की फैंकी मकाय से कहा, 'मैंने आईपीएल में खेलने का विकल्प खुला रखा है क्योंकि इसमें अभी काफी समय है। मैं महिला आईपीएल के पहले संस्करण का हिस्सा बनना चाहूंगी।' मिताली ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। मिताली ने कहा , 'मैं हैदराबाद से हूं जहां के मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भारत की ओर से पहले तीन टेस्ट में तीन शतक लगाए थे। जब मैं 16 साल की उम्र में भारत की टीम में शामिल हुई तो मुझसे भी कुछ ऐसी ही उम्मीदें की गयीं।' तब मिताली और उनके साथ डेब्यू कर रहीं रेशमा गांधी दोनों ने शतक लगाये और साथ में पहले विकेट के लिए नाबाद 258 रन बनाये थे। इसपर मिताली ने कहा, 'मुझे मैच के बारे में बहुत कुछ याद नहीं पर 100 रन बनाकर मैं काफ़ी खुश थी।' 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ टॉन्टन में दूसरे टेस्ट में मिताली ने अपने तीसरे ही टेस्ट में रिकॉर्ड 214 रनों की पारी खेली थी। यह मैच इशा का डेब्यू था। इस मुकाबले के बारे में मिताली ने कहा, 'मैं उस मैच में उपकप्तान थी और हम टीम संयोजन को लेकर काफी विचार कर रहे थे। अंत में हमने केवल चार विशेषज्ञ बल्लेबाज खिलाड़ी रखे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बुमराह से आगे निकले पाक तेज गेंदबाज शाहीन

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक स्थान का नुकसान हुआ है। बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसक गये हैं। वहीं पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहिद अफरीदी बुमराह को पछाड़कर तीसरे स्थान पर आ गये हैं। शाहीन के 836 रेटिंग अंक है जबकि बुमराह के 828 रेटिंग अंक हैं। शाहीन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में चार विकेट लिए थे जिसका लाभ उन्हें मिला है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 891 रेटिंग के साथ शीर्ष पर हैं जबकि भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 842 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर बल्लेबाजी की बात करें तो पाक कप्तान बाबर आजम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के कारण करियर के सर्वश्रेष्ठ 874 रेटिंग अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 923 अंक के साथ पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन 885 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं एकदिवसीय प्रारुप की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ऊपर आये हैं। डिकॉक ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे एकदिवसीय मैच में 92 रन की नाबाद पारी खेली थी। जिसके कारण वह चौथे पायदान पर आ गए हैं।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम में हैं कई पदक दावेदार

लंदन ।

बर्मिंघम में गुरुवार से शुरु हो राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय टेबल टेनिस टीम थोड़ा बदली हुई नजर आएगी। महिला वर्ग में मनिका बत्रा के साथ श्रीजा अकुला, रीत ऋष्य और दिया चिताले उतरेंगी। वहीं पुरुष वर्ग में अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल, जी साथियान, हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी उतरेंगे। भारतीय टीम के पास हालांकि सभी स्पर्धाओं में पदक जीतने में सक्षम खिलाड़ी हैं। शरत और मनिका के अलावा साथियान भी पुरुष युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक के दावेदारों में शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पुर्तगाल में अभ्यास किया जिसका भी उसे लाभ मिलेगा। इस बार महिला वर्ग में दिया को अर्चना कामत की जगह टीम में जगह मिली है। वहीं पुरुष वर्ग की टीम में बदलाव नहीं किया गया है। चार सदस्यीय पुरुष दल में वही खिलाड़ी शामिल है, जिन्होंने पिछले राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग लिया था। इन खिलाड़ियों को काफी अनुभव है और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे।

भारत को टीम स्पर्धा में इंग्लैंड और नाईजीरिया के बाद तीसरी वरीयता मिली है।

अनुभवी खिलाड़ी शरत ने कहा, इंग्लैंड की टीम नाइजीरिया की तुलना में बेहतर है पर हमारा लक्ष्य व्यक्तिगत के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतना है। नाइजीरिया की टीम में विश्व के 12वें नंबर की खिलाड़ी अरुणा कादरी हैं जबकि इंग्लैंड की टीम में लियाम पिचफोर्ड और अनुभवी पाल ड्रिंकहाल जैसे खिलाड़ी हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

पुरुष: शरत कमल, जी साथियान, हरमीत देसाई, सानिल शेट्टी

महिला: मनिका बत्रा, रीत ऋष्य, श्रीजा अकुला, दीया चिताले ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेलेंगे राहुल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेलेंगे। राहुल का कोरोना संक्रमित होने के कारण इस सीरीज से बाहर होना तय माना जा रहा है हालांकि अभी तक भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल को संक्रमण से उबरने में अभी समय लगेगा। उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को वेस्टइंडीज भेजे जाने की संभावना नहीं है। टीम इंडिया के पास इशान किशन सलामी बल्लेबाज के तौर पर एक अच्छे विकल्प के तौर पर पहले से ही उपलब्ध हैं। टी20 इसी माह 29 जुलाई से होने जा रही है। वहीं राहुल अब तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। ऐसे में उन्हें डॉक्टरों ने और आराम करने को कहा है। वेस्टइंडीज के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। अब राहुल के इसी दौरे पर टीम से जुड़ने की उम्मीद है। राहुल ने अपना अंतिम टी20 मैच नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था पर आइपीएल के बाद वह चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये है। जिम्बाब्वे में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 18 अगस्त को खेला जाएगा। यह सीरीज विश्वकप सुपर लीग का भी हिस्सा रहेगी।

सूर्यकुमार को एकदिवसीय विश्वकप में जगह बनाने बेहतर प्रदर्शन करना होगा

पोर्ट ऑफ स्पेन । भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 में अपने शानदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है पर एकदिवसीय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में सूर्यकुमार के लिए अपनी जगह बनाये रखना आसान नहीं होगा। इसके अलावा अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए भी उनके खराब फार्म से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। सूर्यकुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाये थे। इस मैच में वह ऑफ स्टम्प के बाहर जाती गेंद को खेलने के प्रयास में विकेट गंवा बैठे थे। एकदिवसीय मैचों में यह चौथी बार है जब वह इस प्रकार से आउट हुए हैं। इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स एकदिवसीय में बाएं हाथ के गेंदबाज रीस टॉपली की गेंद पर शॉट खेलने के प्रयास में भी वो इसी तरह 27 रन बनाकर आउट हुए थे। ऐसे में वह पिछली पांच पारियों में केवल एक बार ही 20 रनों से अधिक बनाये हैं। सूर्यकुमार ने पिछले दिनों अपने इंग्लैंड दौरे पर टी20 सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक शतक भी लगाया था पर तीन एकदिवसीय में वह पचास रन भी नहीं बना पाये।

चौथी बार राष्ट्रमण्डल खेलों में उतरेगी अश्विनी पोनप्पा

बर्मिंघम ।

भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा चौथी बार राष्ट्रमण्डल खेलों में पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। अश्विनी ने 12 साल पहले राष्ट्रमण्डल खेलों में महिला युगल का खिताब जीता था। भारत को इस बार भी उससे पदक की उम्मीदें हैं। अश्विनी अब भी पहले की तरह ही खेलती हैं। उनके स्मैश पहले की तरह ताकतवर हैं और वह विरोधी खिलाड़ियों की सर्विस और रिटर्न का अंदाजा अच्छी तरह से लगा लेती है। राष्ट्रमण्डल खेलों में 2 स्वर्ण सहित 5 पदक, विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वालीं दो बार की ओलंपियन अश्विनी अब गुरुवार से होने वाले इन खेलों में अपनी ताकत दिखाने को तैयार हैं। अश्विनी ने कहा, ' पिछले दशक में काफी उतार चढ़ाव आए। इस दौरान मैंने काफी सुधार किया है। अब मेरे पास काफी अधिक अनुभव है और एक बार फिर इन खेलों में भाग लेने को लेकर दिल में उत्साह है। अश्विनी ने ज्वाला गुट्टा के साथ मिलकर दिल्ली राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत को महिला युगल में पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। अश्विनी ने पिछले खेलों में भारत को मिश्रित टीम मुकाबले में स्वर्ण पदक जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, 'साल 2018 में मैंने और सिक्की रेड्डी ने कांस्य पदक हासिल किया लेकिन तब मैंने पहली बार टीम स्वर्ण पदक जीता जो शानदार अहसास था। इस बार हालांकि चुनौती अलग है। इस बार मैं महिला युगल में नहीं बल्कि मिश्रित युगल में उतर रही हूं। अश्विनी इस बार वह युग में क्वालिफाई नहीं कर पाईं क्योंकि उनकी महिला जोड़ीदार एन सिक्की के चोट लगने के कारण यह जोड़ी चयन ट्रायल के फाइनल में हार गई।

ब्रिटेन में यूरो कप महिला फुटबॉल मुकाबले में खेलती हुई इंग्लैंड और स्वीडन की खिलाड़ी।

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक ह्द्द्ध्द्धह्लद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तालिबान ने हिंदुओं-सिखों से की लौटने की अपील, गृह मंत्रालय ने कहा- देश में बहाल हुई सुरक्षा

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा जमाने के बाद से वहां सुरक्षा के हालात बेहद खराब हो गए हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हमले आम बात हैं। इसी कारण देश से खासकर हिंदुओं और सिखों ने पलायन शुरू कर दिया है। अब तालिबान के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने इस समुदाय के नेताओं से मिलकर दावा

किया कि देश में सुरक्षा की समस्या को हल कर लिया गया है। इसलिए हिंदुओं और सिख समुदाय के लोगों को वापस लौट आना चाहिए। अफगानिस्तान के हिंदू और सिख परिषद के सदस्यों से 24 जुलाई को मुलाकात के बाद तालिबान के चीफ ऑफ स्टाफ डॉ. मुल्ला वसी के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति अब काफी बेहतर है। ट्वीट के मुताबिक, बैठक के दौरान परिषद के सदस्यों ने इस्लामिक स्टेट के खुरासान गुट की ओर से काबुल के कर्ता-ए-परवान गुरुद्वारे पर किए गए हमले के दौरान प्रभावी कार्रवाई करने के लिए तालिबान को धन्यवाद भी दिया।

अफगानिस्तान में तालिबान का शासन के दौरान हिंदू और सिख ही नहीं, शिया समुदाय के लोग और उनके धार्मिक स्थल भी कट्टरपंथियों के हमलों का निशाना बनते रहे हैं। कुछ दिन पहले ही शियाओं के धार्मिक और शैक्षिक स्थलों पर हमलों का सिलसिला चल निकला था।

चीन के वुहान शहर में वापस लौटा कोरोना, लाखों लोगों पर लगीं सख्त पाबंदियां

बीजिंग। चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। कोरोना की शुरुआत वुहान शहर से हुई थी और अब एक बार फिर वुहान में ही कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को वुहान शहर में व्यवसायों और सार्वजनिक परिवहन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। 10 लाख आबादी वाले जियांगक्सिया जिले को शटडाउन कर दिया गया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, प्रशासन के मुताबिक, जियांगक्सिया जिले के शहरी इलाके में बुधावार से तीन दिनों के लिए अस्थायी नित्रण उपायों को लागू किया गया है। लाकडाउन लगाने के आदेश दिए गए। जिले में सिनेमा हाल, बार और कई स्थानों को बंद कर दिया

गया है। साथ ही बड़े आयोजनों पर रोक लगा दी गई है। सभी धार्मिक स्थलों को भी बंद करने के निर्देश दिया गया है और धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई। लोगों को शहर ना छोड़ने के सलाह दी गई है। बता दें कि चीन में कोरोना महामारी रोकथाम के लिए जीरो-कोविड पालिसी पर जोर दिया गया । गौरतलब है इस फैसले से चीन में कोरोना वायरस को नियंत्रण करने में मदद मिली लेकिन सख्त प्रतिबंध की वजह से चीन की जनता परेशान भी हो गई। जीरो- कोविड पालिसी ने चीन में आर्थिक गतिविधियों से लेकर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो चुकी थी। बता दें कि भले ही चीन इस नियम को लेकर चीन भले ही अपनी पीठ थप-थपा रहा है लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस नीति की आलोचनी की है।

ईरान में कार-ट्रक की भीषड़ टक्कर, छह लोगों की मौत

ईरान। मध्य ईरान में एक सड़क पर दो कारों की टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। नैन रेड क्रिसेंट सोसाइटी के प्रमुख मोहम्मद जमानी ने बताया कि नैन-इस्फहान मार्ग पर हुए हादसे में एक कार बायीं ओर मुड़ी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। जमानी ने कहा कि दुर्घटना में एक यात्री घायल हो गया, दुर्घटना के अन्य कारणों की जांच की जा रही है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि ईरान में हर साल यातायात दुर्घटनाओं में 20,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं और 200,000 अन्य घायल होते हैं। ड्राइविंग अनुभव की कमी और कारों और सड़कों की कम दक्षता कथित तौर पर शीर्ष कारण हैं।

पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे को सिंगापुर का नया वीसा जारी, 14 दिन बढ़ी मियाद

कोलंबो। श्रीलंका में ऐतिहासिक संकट व हिंसक प्रदर्शन के बीच देश से रफूचक्कर हुए पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे सिंगापुर में डेरा जमाए हैं। सिंगापुर सरकार ने उनके प्रवास के लिए नया वीसा जारी किया। सिंगापुर में प्रवास की मियाद 14 दिन बढ़ाई गई है। बुधवार को आई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे के वीसा की अवधि 11 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी गई है। राजपक्षे अपने देश श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नहीं संभाल पाने के कारण कोलंबो में फैले जनाक्रोश के बीच 13 जुलाई को देश छोड़कर मालदीव चले गए थे। वहां से अगले दिन वे निजी यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे।

'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, राजपक्षे को नया वीजा जारी किया गया है। सिंगापुर में उनके रहने की अवधि 11 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। पहले सिंगापुर ने पूर्व राष्ट्रपति को 14 जुलाई को निजी यात्रा पर देश में प्रवेश करते ही 14 दिनों का अल्पकालिक यात्रा पास प्रदान किया था।

जल्दी देश वापस लौटने की उम्मीद

इससे पूर्व श्रीलंका की नवगठित रानिल विक्रमसिंघ सरकार के प्रवक्ता ने गुनावर्धने ने कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति छिपे नहीं थे। उनके जल्दी ही सिंगापुर से लौटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि पूर्व

राष्ट्रपति देश छोड़कर भाग गए हैं और छिपे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने राजपक्षे की संभावित वापसी के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। गुनावर्धने परिवहन और राजमार्ग और मास मीडिया मंत्री भी हैं।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के मामले में दिया बयान

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के लिए सिंगापुर के अटॉर्नी जनरल से किए गए अनुरोध पर टिप्पणी करते हुए, कैबिनेट प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई स्थिति है, तो देश में जिम्मेदार अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि पूर्व राष्ट्रपति को कोई नुकसान न हो। दक्षिण अफ्रीका के एक अधिकार समूह ने सिंगापुर के अटार्नी जनरल को एक आपराधिक शिकायत सौंपी है। इसमें उसने पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे पर कथित युद्ध अपराधों लगाएं और उनके लिए उन्हें गिरफ्तार करने का अनुरोध भी किया है। जानकारी के मुताबिक, इंटरनेशनल ट्रुथ एंड जस्टिस प्रोजेक्ट के वकीलों ने ये शिकायत प्रस्तुत की है। गौरतलब है कि आर्थिक संकटों का सामना कर रहे श्रीलंका में उनके खिलाफ महीनों के सार्वजनिक विरोध के बाद लोग 9 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में घुस गए थे। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास सहित कई अन्य सरकारी कार्यालयों पर कब्जा जमा लिया था। इसके बाद राजपक्षे 13 जुलाई को मालदीव भाग गए और वहां से अगले दिन सिंगापुर के लिए रवाना हो गए थे।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा फिलीपींस, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता

मनीला। फिलीपींस में बुधवार सुबह 6.13 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.0 रही। हालांकि, इस दौरान किसी तरह के हताहत होने की खबर नहीं मिली है और ना ही सुनामी की कोई चेतावनी दी गई है। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान ने बताया कि भूकंप का केंद्र अब्रा प्रांत में किसी पर्वतीय इलाके में जमीन से 25 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए

भूकंप आने के बाद कई झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के तीव्र झटकों के कारण इमारतों और मकानों की दीवारों में दरारें आ गयीं। गौरतलब है कि फिलीपीन भूकंप के लिहाज से संवदेनशील क्षेत्र है। देश में 1990 में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में करीब 2,000 लोग मोर गए थे।

जानें क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट

और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है?

भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

कोरोना के बाद अब पैर पसार रहा मंकीपॉक्स, मेक्सिको में 60 मामलों की पुष्टि

मेक्सिको सिटी। कोरोना के कहर से दुनिया अभी ठीक से संभली भी नहीं है इसी बीच एक और वायरस डराने लगा है। इस नए वायरस का नाम मंकीपॉक्स है। मेक्सिको ने मंकीपॉक्स के 60 मामलों की पुष्टि की है। मेक्सिको के रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन अवर सचिव ह्यूगो लोपेज-गैटेल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लोपेज-गैटेल ने कहा कि अब तक मेक्सिको में मंकीपॉक्स से कोई मौत नहीं हुई है।

लोपेज ने आगे कहा कि 'केवल पांच या छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है क्योंकि उनमें गंभीर प्रतिरक्षा दमन पाया गया है, लेकिन सामान्य तौर पर सभी लगभग 21 दिनों में ठीक हो गए।' 11 मैक्सिकन शहरों में मंकीपॉक्स के मामलों का पता चला है, जो वायरस से संबंधित है जो चेचक का कारण बनता है, लेकिन इसके मरीजों में हल्के लक्षण पाए जाते हैं और शायद ही कभी घातक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 75 देशों और क्षेत्रों में 16,000 से अधिक मंकीपॉक्स के मामले सामने आए हैं और पांच संबंधित मौतें दर्ज की गई हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शनिवार को मंकीपॉक्स के प्रकोप को 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया था।

क्या है मंकीपॉक्स वायरस, कैसे फैलता है?

मंकीपॉक्स, स्मॉलपॉक्स (चेचक) की तरह ही एक वायरल इन्फेक्शन है जो चूहों और खासकर बंदरों से इंसानों में फैल सकता है। अगर कोई जानवर इस वायरस से संक्रमित है और इंसान उसके संपर्क में आता है तो संभावना है कि उसे भी मंकीपॉक्स हो जाए। यह देखने में चेचक का बड़ा रूप लगता है, इसमें लगभग लक्षण भी वहीं हैं। जिन लोगों में ज्यादा संक्रमण होता है उन्हें निमोनिया के लक्षण भी दिख सकते हैं। यह बीमारी एक इंसान से दूसरे में फैल सकती है। संक्रमित व्यक्ति को छूने से उसकी छींक या खांसी के संपर्क में आने से, संक्रमित व्यक्ति के मल के संपर्क में आने से या फिर संक्रमित व्यक्ति की वस्तुओं को इस्तेमाल करने से ये बीमारी दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है। मंकीपॉक्स के विषय में डब्लूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक, साउथ-ईस्ट एशिया रीजन, पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि मंकीपॉक्स उन देशों में भी फैलता हुआ देखा जा रहा है जहां पहले कभी नहीं देखा गया। वहीं, भारत में भी इसके बढ़ते मामले सामने आ रहे हैं।

मंकीपॉक्स से न्यूयॉर्क में दहशत, WHO से इसलिए की नाम बदलने की मांग

लंदन। कोरोना महामारी से जूझ रही दुनिया के सामने मंकीपॉक्स का खौफ बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में न्यूयॉर्क में सबसे ज्यादा मरीज मिले हैं। बढ़ती दहशत को देखते हुए न्यूयॉर्क के स्वास्थ्य आयुक्त ने विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO से इस वायरस का नाम बदलने की मांग की है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार मंकीपॉक्स अब तक 75 देशों में दस्तक दे चुका है। दुनियाभर में मरीजों की संख्या 16 हजार से ज्यादा हो गई है। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में मंकीपॉक्स को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल का एलान किया है। दरअसल, न्यूयॉर्क में मंकीपॉक्स के मरीजों की संख्या 1,092 हो गई है। इसे देखते हुए इस बीमारी से पीड़ित लोग बदनाम न हों और उनके इलाज व देखभाल में परेशानी न आए इसलिए बीमारी का नाम बदलने का आग्रह किया गया है। न्यूयॉर्क के पब्लिक हेल्थ कमिश्नर अश्विन वासन ने मंगलवार को डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस को पत्र लिखकर कहा है कि हमें मंकीपॉक्स संक्रमित की बदनामी व इलाज की चिंता है। संक्रमण के खौफ से मंकीपॉक्स रोगी इलाज से वंचित हो सकते हैं।

वासन ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि मंकीपॉक्स का नाम बदलने का सुझाव पिछले माह डब्ल्यूएचओ ने ही दिया था। नाम बदलने की अपनी मांग के समर्थन में वासन ने उस नस्लवादी इतिहास का भी जिक्र किया, जिसके कारण 'मंकीपॉक्स' शब्द का इस्तेमाल खास समुदाय की ओर इशारा करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि मंकीपॉक्स दुनिया से खत्म हो चुके चेचक वायरस से भी मिलता जुलता नाम है, इसलिए भी बदला जाना चाहिए।

वासन ने यह भी कहा कि एचआईवी बीमारी के समय भी उसके बारे में भ्रांत जानकारियों के कारण लोगों के जेहन में मरीजों के प्रति नकारात्मक भाव पैदा हुए थे। इसी तरह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कोविड-19 को 'चायना वायरस' करार देकर इस महामारी के लिए एशियाई समुदाय को परोक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया था। वासन ने डब्ल्यूएचओ को लिखे पत्र में यह भी कहा कि असल में 'मंकीपॉक्स' वायरस नरवानर प्रजाति से पैदा नहीं हुआ है, जैसा कि उसके नाम से पता चलता है। इसका इस्तेमाल जारी रखने से नस्लवाद के कलंक की दर्दनाक यादें फिर ताजा होंगी। इससे खासकर काले लोगों व एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, समलैंगिक किन्नर आदि) समुदाय के लोगों पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

आसियान की बैठक में उठेगा म्यांमार में फांसी देने का मुद्दा, दुनियाभर में कड़ी प्रतिक्रिया

म्यांमार। म्यांमार में चार राजनीतिक कैदियों को फांसी देने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई। दुनियाभर की सरकारों ने इसकी कड़ी निंदा की। स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर म्यांमार में लोकतंत्र बहाल करने की मांग उठाई। मलयेशिया ने यह मामला आसियान बैठक में उठाने की बात कही है।सेना ने निर्वाचित नेता आंग सान सू की को फरवरी 2021 में बेदखल कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के हजारों लोगों की हत्या के आरोप लगे हैं। सोमवार को दशकों बाद देश में आधिकारिक तौर पर फांसी की शुरुआत हुई और चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। कुआलालंपुर में संयुक्त राष्ट्र के म्यांमार में विशेष दूत नोइलीन हेजर के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में मलयेशिया के विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने कहा, यह मानवीयता के प्रति अपराध है। अगले हफ्ते कंबोडिया में होने वाली दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह केंद्र में रहेगा। म्यांमार इसमें सदस्य है। पिछले वर्ष वह पांच मुद्दों पर सहमत हुआ था। इनमें सभी संबद्ध पक्षों से वार्ता, मानवीय मदद की व्यवस्था, हिंसा तत्काल रोकने और सभी पक्षों से वार्ता के लिए विशेष दूत की व्यवस्था करना थे। उन्होंने कहा, देखा जाएगा कि सैन्य जुंटा इन पांच बिंदुओं को लागू करने के प्रति कितना गंभीर है। उधर, राजधानी में प्रदर्शन कर हजारों लोगों ने कहा, इस तरह की हत्याएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

पाकिस्तान में पहली हिंदू महिला डीएसपी बनी मनीषा रुपेता; पाकिस्तानियों ने की तारीफ, रिश्तेदार बोले-टिकेगी नहीं

पेशावर: पाकिस्तान में मनीषा रुपेता को पहली हिंदू महिला छ्रस्क्क के तौर पर नियुक्त किया गया है। सिंध लोक सेवा की परीक्षा पास करने और प्रशिक्षण हासिल करने के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। पाकिस्तान में आम तौर पर महिलाएं पुलिस स्टेशन और अदालतों के अंदर नहीं जाती हैं। इन स्थानों को महिलाओं के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता है, इसलिए ज़रूरत पड़ने पर यहां आने वाली महिलाएं पुरुषों के साथ आती हैं। ऐसे माहौल में, मनीषा ने पुलिस बल को ज्वाइन करने का फ़ैसला लिया । उन्होंने कहा कि वह इस धारणा को बदलना चाहती थीं कि अच्छे परिवार की लड़कियां पुलिस स्टेशन नहीं जाती हैं।

मनीषा ने की थी डॉक्टर बनने की कोशिश

सिंध जिले के पिछड़े और छोटे से जिले जाकूबाबाद की मनीषा ने यहीं से अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा हासिल की। मनीषा ने डॉक्टर बनने की कोशिश की थी, लेकिन महज एक नंबर कम होने की वजह से उन्हें स्श्चक्चस् में दाखिला नहीं मिला था। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर ऑफ फिजिकल थेरेपी की डिग्री ली। इस दौरान बिना किसी को बताए वह सिंध लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी भी करती रहीं। उन्होंने ना केवल इस परीक्षा में कामयाबी हासिल की बल्कि 438 सफल आवदेकों में 16वें स्थान पर रहीं। उन्होंने बताया, 'हमें यह स्पष्ट तौर पर पता है कि कौन सा पेशा महिलाओं के लिए है और कौन सा था।

लेकिन मुझे हमेशा पुलिस का पेशा आकर्षित करता रहा और प्रेरित भी करता रहाय़मुझे लगता है कि यह पेशा महिलाओं की स्थिति को सशक्त बनाता है।÷ उन्होंने मुझे यह भी बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पुलिस के पेशे को महिलाओं से जोड़ने की कोशिश करना था।

मनीषा नें कराची के सबसे मुश्किल इलाके ल्यारी में ली ट्रेनिंग

मनीषा ने कहा कि पीड़ितों में ज़्यादातर महिलाएं हैं ऐसे में उनकी सुरक्षा करने वाली भी महिलाएं होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से वह हमेशा पुलिस बल का हिस्सा बनना चाहती थी। स्वतंत्र रूप से डीएसपी का प्रभार संभालने से पहले मनीषा ने कराची के सबसे मुश्किल इलाके ल्यारी में ट्रेनिंग ली है। इस इलाके में पुलिस विभाग में ऑफ़िसर बनने वाली मनीषा पहली महिला हैं। उन्होंने ्रस्क्क आतिफ अमीर की निगरानी में प्रशिक्षण लिया। अमीर का मानना है कि महिला पुलिस ऑफ़िसर की संख्या बढ़ने से पुलिस विभाग की छवि बदलने में मदद मिलेगी। मनीषा ने हमें यह भी बताया कि उनके समुदाय के लोगों का मानना है कि वह लंबे समय तक इस नौकरी में टिक नहीं पाएगी।

पाकिस्तानियों ने की प्रशंसा

इसके बारे में मनीषा ने बताया, 'मेरी कामयाबी पर लोग काफ़ी खुश हुए। पूरे देश ने मेरी प्रशंसा की। हर किसी से प्रशंसा सुनने को मिली लेकिन एक अजीब बात यह हुई कि मेरे नज़दीकी रिश्तेदारों का मानना है कि थोड़े ही समय में ये नौकरी बदल लूंगी।

उन्होंने बताया, 'पितृसत्तात्मक समाज में, पुरुषों को लगता है कि ये काम केवल पुरुष ही कर सकते हैं। यह एक सोचने का नज़रिया हो सकता है। लेकिन आने वाले कुछ सालों में ये लोग अपनी बात वापस लेंगे और हो सकता है कि उनमें से किसी की बेटी पुलिस विभाग में काम करने लगे।

मनीषा कराती हैं लड़कियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

मनीषा अपनी नौकरी के अलावा लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कराने वाली एक एकेडमी में पढ़ाती भी हैं। उन्होंने इस बारे में कहा, 'यह मेरे लिए काफ़ी प्रेरक है क्योंकि मुझे लगता है कि मेरी गाइडेंस से कुछ लड़कियों को आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।' मनीषा का मनना है कि पुलिस एक ऐसी सेवा है जो लिंग और धर्म से परे है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक समुदाय की ज़्यादा से ज़्यादा महिलाएं पुलिस विभाग में शामिल होंगी।

मनीषा के परिवार बारे में खास बातें

मनीषा के पिता जाकूबाबाद में व्यापारी थे और मनीषा जब 13 साल की थीं तब उनका निधन हो गया था।

मनीषा की मां ने अपने दम पर पांच बच्चों की परवरिश की। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए वो कराची आ गईं ।

अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए मनीषा ने बताया कि जाकूबाबाद में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने का माहौल नहीं था।

अगर किसी लड़की की शिक्षा में दिलचस्पी होती थी तो उसे केवल मेडिकल की पढ़ाई पढ़ने के लिए उपयुक्त माना जाता था।

मनीषा की तीन बहनें एमबीबीएस डॉक्टर हैं, जबकि उनका इकलौता और छोटा भाई मेडिकल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहा है।

परवेज इलाही बने पंजाब के नए मुख्यमंत्री, राज्यपाल ने कर दिया इंकार तो राष्ट्रपति अल्वी ने दिलाई शपथ

इस्लामाबाद। पीएमएल-क्यू नेता चौधरी परवेज इलाही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नए सीएम बने। उन्होंने 27 जुलाई को तड़के पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए पीएम शाहबाज के बेटे हमजा शहबाज को पद से हटा दिया है। इसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

पाकिस्तान की जियो न्यूज के हवाले से यह खबर आई है। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के 10 वोटों को खारिज करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया। पीएमएल-क्यू नेता चौधरी परवेज इलाही पंजाब के मुख्यमंत्री होंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित परवेज इलाही ने पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजारी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ जिसमें पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसन और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर शामिल हैं।

कोर्ट ने पंजाब के राज्यपाल बाली उर रहमान को इलाही को शपथ दिलाने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्होंने अपने कर्तव्यों का

पालन करने से इनकार कर दिया। नतीजतन, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शपथ दिलाई।

डिप्टी स्पीकर का फैसला अवैध घोषित

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने पंजाब के सीएम चुनाव में डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी के फैसले को अवैध घोषित किया और फैसला सुनाया कि परवेज इलाही प्रांत के नए सीएम होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिप्टी-स्पीकर का फैसला अवैध है। डिप्टी स्पीकर के फैसले का कोई कानूनी औचित्य नहीं है। बहुमत मत हासिल करने के बावजूद शुक्रवार को हुए चुनाव में हारने वाले परवेज इलाही ने डिप्टी स्पीकर दोस्त मजारी के फैसले को चुनौती दी थी, जिन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमजा को जीत दिलाई थी। मामले की सुनवाई करने वाली मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसान और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की तीन सदस्यीय पीठ ने फैसला सुनाया कि परवेज इलाही पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री होंगे।

चुनाव के दौरान मजारी ने पार्टी अध्यक्ष चौधरी शुजात हुसैन द्वारा लिखे गए एक पत्र का हवाला देते हुए पीएमएल-क्यू के 10 सांसदों के वोटों की गिनती के खिलाफ फैसला किया था, जो इलाही के पक्ष में थे। इसमें उन्होंने इन्हें हमजा को वोट देने का निर्देश दिया था। अदालत ने पंजाब के राज्यपाल को मंगलवार रात 11:30 बजे से पहले परवेज इलाही को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने का भी आदेश दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांदीपोरा के युवक ने 500 मीटर कागज के रोल पर हाथों से कुरान लिखी

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में बांदीपोरा के एक युवक ने सराहनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 500 मीटर लंबे कागज के रोल पर हाथों से पवित्र कुरान लिखी है। फर्टीयर गुरेज के तुलैल इलाके के रहने वाले मुस्तफा-इब्न-जमील ने पिछले साल इस परियोजना पर काम करना शुरू किया था। जमील ने कहा, ''अक्षरांकन (कैलीग्राफी) के लिए विशेष कला पेपर की व्यवस्था करने में मुझे दो महीने लगे। मुझे यह दिल्ली की एक फैक्टरी से मिला क्योंकि ये खुले बाजार में उपलब्ध नहीं था।फिर मैंने इसके लिए एक विशेष कैलीग्राफी स्याही का भी प्रबंध किया।'' उन्होंने कहा कि यह कार्य इस साल जून में संपन्न हो गया था लेकिन अक्षरांकन के चलते इसमें तीन और महीने का समय लगा। जमील ने कहा, ''(पेपर के) किनारों का डिजाइन करने में करीब एक महीने का समय लगा। मैंने इसे करीब 13 लाख बिंदियों के साथ डिजाइन किया। इसके बाद कागज के पूरे रोल पर लेमिनेशन किया गया।'' उन्होंने बताया कि इस पूरी परियोजना को दिल्ली में पूरा किया गया, जिसमें करीब ढाई लाख रुपये खर्च हुए। जमील ने कहा कि उनकी दिली इच्छा थी कि वह कुरान लिखें और इसके लिए अपनी लिखाई में सुधार लाने के वास्ते उन्होंने अक्षरांकन कला सीखी। उन्होंने कहा कि इस कार्य में उनके परिवार ने भी उनका भरपूर सहयोग किया।

यूपी में योगी ने किया ऐलान, कोविड अस्पतालों में मंकीपॉक्स प्रभावित मरीजों के लिए 10 बेड रखे जाएंगे आरक्षित

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के कुछ हिस्सों में मंकीपॉक्स संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के कोविड अस्पतालों में मंकीपॉक्स प्रभावित मरीजों के लिए कम से कम 10-10 बिस्तर आरक्षित रखे जाएं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में देश के कुछ हिस्सों में मंकीपॉक्स संक्रमण के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इसे लेकर विशेष सावधानी बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के कोविड अस्पतालों में न्यूनतम 10 बेड सिर्फ मंकीपॉक्स से प्रभावित मरीजों के लिए आरक्षित रखे जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मंकीपॉक्स के लक्षण, उपचार और बचाव के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक आम लोगों को सही जानकारी देते हुए जागरूक किया जाए। आदित्यनाथ ने अफ्रीकन स्वाइन फ्लू संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए कंटेनमेंट जोन की व्यवस्था लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि संक्रमित सुअरों की अंतिम क्रिया निर्धारित मेडिकल प्रोटोकॉल के अनुरूप की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सुअर पालन बहुत से लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया है ऐसे में जिन पालकों के यहां अफ्रीकन स्वाइन फ्लू से सुअरों की मौत हुई है उन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाएं। आदित्यनाथ ने बैठक में कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। हालांकि उत्तर प्रदेश में संक्रमण की दर न्यूनतम है। उन्होंने सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को बूस्टर डोज लगवाने का निर्देश देते हुए कहा कि आम लोगों को बूस्टर डोज लगवाने के लिए प्रेरित करने के काम में तेजी लाई जाए, इसके लिए मिशन मोड में प्रयास करने की जरूरत है।

बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती का दावा, 38 टीएमसी विधायकों के हमारे संपर्क में

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। मिथुन दा ने कहा कि क्या आप ब्रेकिंग न्यूज सुनना चाहते हैं? इस समय 38 टीएमसी विधायकों के हमारे साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, जिसमें से 21 सीधे (हमारे संपर्क में) हैं। मिथुन ने कहा कि बीजेपी को एंटी मुस्लिम बताना सिर्फ साजिश है, जबकि असल में ऐसा कुछ नहीं है। मिथुन ने कहा कि, बीजेपी को मुस्लिमों के खिलाफ बताया जाता है। लेकिन ऐसा क्यों। देश के तीन बड़े सुपर स्टार सलमान, शाहरूख और आमिर खान मुस्लिम हैं। यह कैसे मुमकिन हुआ। 18 राज्यों में बीजेपी की सरकार है अगर बीजेपी मुस्लिम स्टार्स से नफरत करती और हिंदू उन्हें प्यार नहीं करते तो फिर इन तीनों स्टार्स की फिल्म इन राज्यों में कैसे बड़ा कलेक्शन करती है? मैं जहां भी हूं वहां इसलिए पहुंचा हूं क्योंकि हिंदू, मुस्लिम, सिख सब मुझे प्यार करते हैं। मिथुन ने ईडी की कार्रवाई पर कहा कि, अगर कोई सबूत नहीं है, तब डरने की कोई जरूरत नहीं है लेकिन अगर किसी ने गलत काम किया है, तब उसके कोई शक्ति नहीं बचा सकती है।

जेल में बंद कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। राजधानी की तिहाड़ जेल में भूख हड़ताल कर रहे कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को तबीयत बिगड़ने के बाद आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मलिक के रक्तचाप (बीपी) में उतार-चढ़ाव आ रहा है, जिसके कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मलिक ने अस्पताल के डॉक्टरों को एक पत्र लिखकर कहा है कि वह इलाज कराना नहीं चाहता है। एक सूत्र ने कहा, ''उसे बीपी में उतार-चढ़ाव के बाद मंगलवार को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया।'' प्रतिबंधित जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख मलिक ने गत शुक्रवार सुबह अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। केंद्र ने रुबैया सईद के अपहरण मामले की सुनवाई में जम्मू की एक अदालत में उसे पेश होने की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उसने भूख हड़ताल शुरू की। मलिक इस मामले में आरोपी है।

राजस्थान के कई हिस्सों में हो रही भारी बारिश, जनजीवन प्रभावित, जलभराव के कारण रेलवे ने कई ट्रेनें रद्द की

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश से उपजे जलजमाव के संकट का असर रेल यातायात पर भी पड़ रहा है। राज्य में कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, जबकि कई के मार्गों में परिवर्तन किया गया है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारी बारिश के कारण जोधपुर संभाग के राई का बाग स्टेशन तथा राई का बाग और जोधपुर कैंट स्टेशन के बीच पानी भर जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उन्होंने बताया कि इसके चलते कम से कम पांच ट्रेन पूरी तरह रद्द की गई हैं, जिनमें बुधवार को चलने वाली भगत की कोठी-तिरुचिरापल्ली ट्रेन,जोधपुर-जैसलमेर ट्रेन तथा जोधपुर-हिसार ट्रेन..28 जुलाई को चलने वाली हिसार-बीकानेर ट्रेन और 30 जुलाई को चलने वाली तिरुचिरापल्ली-भगत की कोठी ट्रेन शामिल है। प्रवक्ता ने बताया कि इनके अलावा अनेक ट्रेन आंशिक रूप से रद्द की गई हैं तथा कई के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। उल्लेखनीय है कि लगातार मूसलाधार बारिश से मंगलवार को राजस्थान के जोधपुर, भीलवाड़ा, जालोर और चित्तौड़गढ़ जिलों के अनेक इलाकों में जलभराव के चलते बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। सड़कें और रेल पटरियां जलमग्न हो गईं। वहीं, जोधपुर जिले में बारिश के बाद भरे पानी में डूबने से चार बच?चों की मौत हो गई। भारी वर्षा के मद्देनजर जोधपुर के जिला प्रशासन ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सभी निजी व सरकारी स्कूलों को बुधवार को बंद रखने के निर्देश जारी किए हैं।

देश में कोविड-19 के 18,313 नए मामले, 57 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 18,313 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,38,764 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,45,026 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 57 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,110हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,45,026 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.34 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,486 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.47 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 4.31 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.57 प्रतिशत है। देश में अभी तक 87.36 करोड़ से अधिक नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 4,25,337 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई। देश में अभी तक कुल 4,32,67,571 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.2 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 202.79 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

सोनिया गांधी की ईडी से पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन सच्चाई को छुपाने का प्रयासः नड्डा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में किए जा रहे प्रदर्शनों को लेकर बुधवार को प्रमुख विपक्षी पार्टी पर करारा हमला बोला और कहा कि वह एक परिवार को देश तथा कानून से ऊपर समझती है। ईडी ने ''नेशनल हेराल्ड'' अखबार से जुड़े कथित धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को तीसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष को तलब किया है। इसके विरोध में कांग्रेस के नेता देश भर में ''सत्याग्रह'' कर रहे हैं। नड्डा ने कहा, ''यह सत्याग्रह नहीं है।

यह असत्य के लिए आग्रह है। सच बात तो ये है कि सत्य को ग्रहण लगाने की कोशिश है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो विषय उठा रही हैं, वह ना तो देश के लिए और ना ही पार्टी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''यह एक परिवार को बचाने का कुत्सित प्रयास है।'' नड्डा ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ है और उस घोटाले के बारे में एजेंसियों को जवाब देने की आवश्कता है लेकिन ''परिवार'' अपने आपको देश और कानून से ऊपर समझता है। उन्होंने कहा, ''उनसे कोई पूछताछ की हिमाकत करे तो वह उन्हें नागवार गुजरता है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कुछ प्रावधानों की वैधता को उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखने के फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और कानून के सामने विषयों को रखना किसी भी व्यक्ति का अधिकार है।

उन्होंने कहा, ''लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा एक परिवार को कानून से ऊपर समझने का कुत्सित प्रयास, इस देश में चलने वाला नहीं है। देश कानून और नियमों से चलता है और नियम सब के लिए बराबर हैं। कानून के सवालों का जवाब देना सबकी जिम्मेदारी है।'' नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और ''परिवार'' को नियम के अनुसार चलना चाहिए और कानून का जवाब देना चाहिए। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय ने पीएमएलए के कुछ प्रावधानों की वैधता को बुधवार को बरकरार रखते हुए कहा कि हर मामले में ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) अनिवार्य नहीं है।

12 घंटे में ईडी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछे 100 सवाल

नई दिल्ली । कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ पूरी हो गई है। नेशनल हेराल्ड मामले में तीसरे दिन कांग्रेस प्रमुख से करीब 3 घंटे तक सवाल पूछे किए गए। खबर है कि अगला समन जारी होने तक सोनिया गांधी को केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होना होगा। खबर हैं कि ईडी ने तीन दिनों के दौरान करीब 12 घंटों में सोनिया से 100 से ज्यादा सवाल पूछे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें आगे पेशी पर नहीं बुलाया जाएगा। हालांकि, रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह कहा जा रहा है कि जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर समन जारी करेगी । सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि कांग्रेस प्रमुख जल्दी जवाब दे रही हैं। खबर है कि तीन दिनों के दौरान जांच एजेंसी ने सोनिया से अहम सवाल पूछ लिए हैं। वहीं, राहुल से ईडी ने 5 दिनों के दौरान करीब 150 सवाल पूछे थे। वहीं बुधवार को सोनिया से पूछताछ का विरोध कर रहे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद मनीष तिवारी सहित कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। इधर, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था, 'उन्होंने राहुल गांधी को 5 दिनों तक बुलाया... अब उन्होंने सोनिया गांधी को तीसरी बार बुलाया है। ईडी ने देश में आतंक का माहौल बनाया है।'

विपक्ष ने की सांसदों का निलंबन वापस लेने की मांग, केंद्र ने तख्तियां नहीं दिखाने की गारंटी देने को कहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लोकसभा में कुछ विपक्षी दलों के नेताओं ने कांग्रेस के चार सदस्यों के निलंबन को वापस लेने की मांग की। केंद्र सरकार ने उनसे आगे से सदन में विपक्षी सदस्यों द्वारा तख्तियां नहीं दिखाए जाने की जिम्मेदारी लेने को कहा। राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने कांग्रेस के 4 निलंबित सदस्यों को सदन में वापस बुलाए जाने का अनुरोध करते हुए कहा कि विपक्षी दल सदन में चर्चा करना चाहते हैं और सरकार के साथ सहयोग करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हम विपक्ष की ओर से यह विनती करते हैं। हम आसन के समीप नहीं आएंगे। मैं, सभी की तरफ (विपक्ष) से बोल रही हूं। हम सदन चलाना चाहते हैं। सदन में विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए तख्तियां दिखाने और आसन के प्राधिकारों की उपेक्षा करने के मामले में सोमवार को कांग्रेस सदस्यों मणिकम टैगोर, टी एन प्रतापन, जोतिमणि और राम्या हरिदास को संसद के मॉनसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था।

निचले सदन में आज तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि सदन की भावना है कि इन सदस्यों का निलंबन वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि सरकार महंगाई पर चर्चा के लिए तैयार है। बंदोपाध्याय ने कहा कि विपक्ष भी चर्चा में भाग लेने को तैयार है। द्रमुक नेता ए राजा ने कहा कि सदन में आसन के पास आना, लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करना और तख्तियां दिखाना नई बात नहीं है। उन्होंने कांग्रेस सांसदों के निलंबन के फैसले को वापस लेने का आग्रह करते हुए कहा कि इसके बाद चर्चा शुरू हो सकती है।

संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार सर्वदलीय बैठक से लेकर आज सुबह तक विपक्ष की मांग पर चर्चा के लिए तैयार होने की बात कहती आ रही है। उन्होंने कहा इन लोगों (विपक्ष) ने पिछले सप्ताह को बर्बाद कर दिया। अभी भी वही हो रहा है। वे चर्चा चाहते हैं तो हम तैयार हैं। लेकिन क्या वे गारंटी लेंगे कि उनके सदस्य फिर से आसन के समीप नहीं आएंगे, तख्तियां नहीं दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसके सदस्य आसन के समीप आकर प्रदर्शन करते थे, लेकिन मर्यादा का ध्यान रखा जाता था। जोशी ने कहा लेकिन पिछले कुछ दिन से विपक्ष के सांसद तख्तियां दिखा रहे हैं और लोकसभा अध्यक्ष के चेहरे के सामने तख्ती लाई जाती हैं। इस दौरान आसन पर पीठासीन सभापति रमा देवी उपस्थित थीं।

पुराने वक्त में जंगों के उसूल हुआ करते, औरतों पर हाथ नहीं उठते थे : आजाद

सोनिया के समर्थन में मोदी सरकार पर हमला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद पार्टी में नई जिम्मेदारी के बाद रंग में दिख रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के तीसरे दिन आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला किया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बीमार हैं। उन्हें इस तरह से परेशान नहीं करना चाहिए। आजाद ने कहा कि पुराने वक्त में जंगों के उसूल हुआ करते थे। उस वक्त बादशाह अपनी सेना से कहते थे कि बीमार और औरतों पर हाथ नहीं उठाना चाहिए। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा तीसरे दिन सोनिया गांधी से पूछताछ की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं ने मंच और सड़क पर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई कांग्रेसी सांसदों ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी दी। उधर, पार्टी के वरिष्ठ नेता और जी-23 ग्रुप के मेंबर आजाद भी सोनिया गांधी के पक्ष में खड़े नजर आए। आजाद ने कहा कि सोनिया गांधी पिछले 6 महीने से बीमार हैं। इसके अलावा अब उनकी उम्र भी हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा हमला बोलकर आजाद ने कहा कि जंग के उसूल हुआ करते थे। उस वक्त बादशाह अपनी सेना को कहा करते थे कि औरतों और बीमारों पर हाथ न उठाए। लेकिन सरकार नेशनल हेराल्ड के जिस प्रकरण पर उनसे पूछताछ कर रही है, वहां सही नहीं है। आजाद ने कहा कि पहले भी इस मामले को सरकार उठा चुकी है। उस वक्त इस केस के बंद होने की सूचना आई थी। लेकिन फिर पूछताछ का जिन्न बाहर आ चुका है। आजाद ने कहा कि राहुल गांधी से ईडी के अधिकारी दो-दो शिफ्ट में 50 घंटे से ज्यादा की पूछताछ कर चुकी है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब किया जाएगा बहाल ? केंद्र सरकार ने दिया यह जवाब

श्रीनगर। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को संसद को सूचित किया कि जम्मू-कश्मीर को उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 375 के कुछ प्रावधानों को समाप्त कर प्रदेश को दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का स्वरूप प्रदान किया था। जिसके बाद से लगातार मांग उठ रही है कि जम्मू-कश्मीर को वापस से राज्य का दर्जा दिया जाए। संसद के उच्च सदन में एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने बताया कि जम्मू-कश्मीर को उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। परिसीमन आयोग ने जम्मू-कश्मीर के संसदीय और विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर 14 मार्च और 5 मई को आदेश अधिसूचित किए हैं। चुनाव कराने का निर्णय चुनाव आयोग का विशेषाधिकार है। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सूचित किया है कि परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के खिलाफ कोई महत्वपूर्ण विरोध नहीं था। हालांकि, विभिन्न राजनीतिक दलों ने रिपोर्ट पर अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं। नित्यानंद राय ने बताया कि परिसीमन आयोग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों और जेके पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 60 (2) (बी) के साथ पठित परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा 9 (1) (ए) के तहत निर्धारित मानदंडों के आधार पर जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश का परिसीमन अभ्यास किया।

'शिव भक्तों पर फूल, मुस्लिमों पर बुलडोजर', कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा से ओवैसी को हुई दिक्कत, रेल मंत्री ने दिया करारा जवाब

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा कांवड़ियों पर फूल बरसाने को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। ओवैसी ने कांवड़ यात्रा में शामिल लोगों पर फूल बरसाने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि मुसलमानों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों नहीं किया जाता। ओवैसी ने कहा, 'मुझे इस बात में कोई आपत्ति नहीं है कि यूपी सरकार करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल कांवड़ियों पर फूल बरसाने के लिए कर रही है और पुलिसकर्मी तीर्थयात्रियों के पैर की मसाज कर रहे हैं... लेकिन मुसलमानों के साथ समान व्यवहार क्यों नहीं किया जाता है? असदुद्दीन ओवैसी ने यह भी सवाल किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान मांस की दुकानों को बंद करने का आदेश क्यों दिया गया?

इस बीच, भाजपा सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने कांवड़ियों पर फूल बरसाने के योगी सरकार के फैसले की आलोचना करने के लिए ओवैसी की खिंचाई की। चौबे ने पूछताछ कि कांवड़ियों पर नहीं तो क्या आतंकवादियों पर फूल बरसाना चाहिए?'

एआईएमआईएम सांसद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए यूपी के एडीजी एलओ प्रशांत कुमार ने कहा कि विभिन्न समुदायों के सभी त्योहारों की व्यवस्था आवश्यकता और स्थापित परंपरा के अनुसार की जाती है। उन्होंने इस मौसम में 4 करोड़ से अधिक कांवड़िये पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर आए, जिसके लिए यातायात डायवर्जन सहित विस्तृत व्यवस्था की गई ताकि लोगों को असुविधा न हो। बकरीद के दौरान भी इसी तरह की व्यवस्था की गई थी ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सके।

ओवैसी की यह प्रतिक्रिया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा चल रही कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण करने और कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करने के एक दिन बाद आई है। मेरठ के आईजी रेंज प्रवीण कुमार और जिलाधिकारी दीपक मीणा ने भी भगवान शिव के वार्षिक तीर्थयात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। बागपत के डीएम राजकमल यादव और एसपी नीरज जादौन ने भी कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की।

संसदीय समिति की रिपोर्ट में खुलासा, एम्स में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के डॉक्टरों को रेगुलर नियुक्ति नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद की समिति ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के डॉक्टरों की रेगुलर नियुक्ति में भेदभाव को लेकर सवाल खड़े कर दिए है। संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एम्स में एडहॉक आधार पर कई सालों तक काम करने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को रेगुलर पोस्ट भरने के समय नहीं चुना गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रेगुलर नियुक्ति के समय कहा गया कि कोई भी उम्मीदवार प्रवेश के लिए उपयुक्त और योग्य नहीं पाया गया था। भाजपा सांसद किरीट पी सोलंकी की अध्यक्षता वाली समिति की मंगलवार को लोकसभा में रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया है कि एम्स में कुल 1,111 संकाय पदों में से, 275 सहायक प्रोफेसर और 92 प्रोफेसर के पद रिक्त हैं। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उचित पात्रता, योग्यता होने के बावजूद, पूरी तरह से अनुभवी एससी / एसटी उम्मीदवारों को देश के प्रमुख मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक चरण में भी फैकल्टी मेंबर्स के रूप में शामिल करने की अनुमति नहीं है। समिति ने मांग की है कि सभी मौजूदा रिक्त संकाय पदों को अगले तीन महीनों के भीतर भरा जाना चाहिए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से उसी समय सीमा के भीतर एक कार्य योजना मांगी गई है। पैनल ने कहा कि भविष्य में सभी मौजूदा रिक्त पदों को भरने के बाद, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किसी भी संकाय की सीट को किसी भी परिस्थिति में छह महीने से अधिक समय तक खाली नहीं रखे सकते हैं। समिति ने कहा, सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में आरक्षण नहीं दिया जाता है, इसके परिणामस्वरूप अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को अभूतपूर्व और अनुचित रूप से वंचित रखा जाता है तथा सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में अनारक्षित संकाय सदस्यों का एकाधिकार होता है। समिति की रिपोर्ट में कहा, आरक्षण नीति को छात्र और संकाय स्तर पर सभी सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में सख्ती से लागू किया जाना चाहिए ताकि वहां भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संकाय सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित हो।'समिति ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के डॉक्टरों एवं छात्रों को विदेश में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु भेजने के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित किया जाए ताकि सभी

सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व स्पष्ट रूप से देखा जा सके। समूह ग के पदों/निचले पदों को नियमित रूप से भरे जाने के बदले आउटसोर्स/संविदा पर रखे जाने को गरीबों को रोजी-रोटी से वंचित करने के समान बताते हुए समिति ने कहा कि सफाईकर्मी, चालक, डाटा ऑपरेटर आदि जैसे गैर-मुख्य क्षेत्रों में भी संविदात्मक/आउटसोर्स नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए। उसने कहा कि संविदा नियुक्ति की नीति इन ठेकेदारों के माध्यम से दलित वर्गों के शोषण की गुंजाइश पैदा करती है। इसलिए, समिति सिफारिश करती है कि सरकार किसी भी वर्ग/श्रेणी के वंचितों के इस तरह के शोषण को रोकने के लिए एक तंत्र विकसित करे। साथ ही इस संबंध में उठाए गए सुधारात्मक कदमों की जानकारी समिति को दी जाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में शराब की बिक्री पर जनता का आक्रोश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बोटाद दंगों में 50 से अधिक लोगों की जान चली गई है। तब पता चला कि सूरत के पांडेसरा के नागासेन नगर में देशी शराब खुलेआम बिक रही है. जब पड़ताल की तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पांडेसरा के नागसेननगर में सालों से देशी शराब बिक रही है। इस क्षेत्र के बुजुर्ग, युवा और यहां तक कि छोटे लड़के भी शराब के नशे में दम तोड़ चुके हैं और यहां तक कि उनकी मौत भी हो चुकी है.

गुजरात में लम्पी वायरस से 1000 पशुओं की मौत,15 जिलों में फैली बीमारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में लम्पी वायरस से अभी तक 1000 से अधिक पशुओं की मौत हो जाने की सूचना प्राप्त हुई है। 15 जिलों के लगभग 40,000 पशु इस बीमारी से संक्रमित है। पशुओं में यह संक्रमण सबसे ज्यादा कच्छ, जामनगर, देवभूमि द्वारका सहित 15 जिलों में फैल गई है।

संक्रमण से पशुओं के शरीर में गांठ उभर जाती हैं। पशुओं की खुराक बहुत कम हो जाती है। कमजोरी के कारण उनकी मौत हो रही है।

दूषित पानी और खुराक बंद हो जाने के कारण यह रोग बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। रोग फैलने के बाद उस समय के अंदर ही पशुओं की मौत हो रही है।

गुजरात सरकार ने इस बीमारी से संक्रमित 15 जिलों के 1009 गांव में संक्रमित पशुओं के इलाज की व्यवस्था की है। सरकार ने सभी जिलों में अलर्ट जारी किया है।

राज्य के 207 डैमों में 64.83 प्रतिशत जलराशि का संग्रह,55 जलाशयों पर हाईअलर्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्यभर में हो रही अच्छी बारिश के चलते महत्वपूर्ण 207 जल परियोजनाओं में अब तक 64.83 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। 207 में से 55 जलाशयों पर हाईअलर्ट जारी किया गया है। राज्य की जीवनदायिनी माने जाते सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 247864 एमसीएफटी यानी कुल संग्रह क्षमता का 74.19 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। राज्य के जलसंपत्ति विभाग के फ्लड सेल के आंकड़ों के मुताबिक राज्य के 206 जलाशयों में 330581 एमसीएफटी यानी कुल क्षमता का 59.22 प्रतिशत जितनी जलराशि का संग्रह हुआ है। जिसमें 34 जलाशयों में 100 प्रतिशत से अधिक और 45 जलाशयों में 70 से 100 प्रतिशत के बीच, सरदार सरोवर समेत 35 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, 38 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत, 54 जलाशयों में 25 प्रतिशत भी कम जलराशि का संग्रह हुआ है। इन जलाशयों में उत्तर गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 17, दक्षिण गुजरात के 13, कच्छ के 20 और सौराष्ट्र के 141 जलाशय शामिल हैं। राज्य के 100 प्रतिशत से अधिक भरे 34 और 90 से 100 प्रतिशत भरे 21 समेत 55 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। जबकि 80 से 90 प्रतिशत भरे 6 जलाशयों पर अलर्ट और 70 से 80 प्रतिशत जलसंग्रह वाले 17 डैमों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है।

बोटाद के कथित शराबकांड में अब तक 60 मौतें, 145 लोगों का चल रहा है इलाज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बोटाद के बरवाला में कई परिवारों को बर्बाद करने वाले कथित शराबकांड हो कैमिकल कांड अब तक 60 लोगों को निगल चुका है। अलग अलग अस्पतालों में अब भी 144 लोगों का उपचार किया जा रहा है। भावनगर के सर टी अस्पताल में 73 लोग उपचाराधीन हैं और उसमें 5 हालत नाजुक है। जिसे देखते हुए मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। अब तक बोटाद जिले के बरवाला तहसील के रोजिद गांव में 10 लोगों की मौत हुई है। देवगाणा गांव में 5, चंदरवा, अणियाळी, आकरू और राणपरी में 3-3 लोगों की मौत हुई है। वहीं उंचडी, कुदडा, वहिया और पोलारपुर में 2-2 तथा सुंदरियाणा, भीमनाथ, खरड और वेजलका में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। अन्य 145 लोगों का अहमदाबाद, भावनगर और बोटाद के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के मुताबिक मिथाइल जैसा जहरीला पेय पीने से ज्यादातर लोगों को धुंधला दिखना, लगातार उल्टी होती है। अगर हालत ज्यादा खराब होती है तो व्यक्ति दृष्टिहीन भी हो सकता है। गौरतलब है कि 2009 में अहमदाबाद में हुए जहरीली शराबकांड में 200 जितने लोगों ने दृष्टि गंवा दी थी। उस वक्त कैमिकलयुक्त शराब पीने से अहमदाबा के बापूनगर, ओढव, कांकरिया इत्यादि क्षेत्रों में 123 जितने लोगों की मौत हो गई थी।

बोटाद एसपी की ग्रामीणों से अपील

दूसरी ओर बोटाद एसपी डॉ. करनराज वाघेला ने कहा, बोटाद के बरवाला और रानपुर में पुलिस की सभी टीमें रात भर व्यस्त रहीं. सुबह से ही अलग-अलग टीमें काम कर रही हैं। पांच टीमें बरवाला में और चार टीमें रानपुर में काम कर रही हैं। उल्टी, ब्लैकआउट और चक्कर आने वाले लोगों को पुलिस को सूचित करना चाहिए। पुलिस ने सभी गांवों के बाहर एंबुलेंस तैनात कर दी है. सीएचसी सेंटर पर एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा गया है। कोई भी व्यक्ति दो-तीन दिन से काम से अनुपस्थित हो तो पुलिस से संपर्क करें। अगर किसी में अभी भी लक्षण हैं, तो हम उनका इलाज करेंगे।

एएसआई यास्मीन जगरेला द्वारा कथित रूप से शराब की बिक्री करने का एक ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद एएसआई यास्मीन जगरेला को बरवाला थाने से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया ।

...राज्य सरकार के केमिकल थ्योरी को ऐसे समझें

1. केमिकल बेचने वाली कंपनी का बचाव करते हुए दावा किया कि केमिकल फैक्ट्री से चोरी हुआ है

2. 'रसायन से मौत'... यह दावा कर अवैध शराब बेचने के आरोप से बचाया

3 पुलिस, व्यवस्था और सरकार ने केमिकल थ्योरी के जरिए दी खुद को क्लीन चिट

एफएसएल की जांच में पाया गया कि लट्ठे में 98 प्रतिशत से अधिक मिथाइल अल्कोहल की मात्रा पाई गई, जिससे थोक नमूनों में 98.71 प्रतिशत और 98.99 प्रतिशत मिथाइल अल्कोहल की उपस्थिति दिखाई दी। इस जहरीले रसायन की मारक क्षमता को लेकर डॉक्टरों और एफएसएल के अधिकारियों के मार्गदर्शन में इलाजाधीन मरीजों का इलाज चल रहा है.

दूसरे दिन मृतक की घोषणा

1. टिकाभाई भूपतभाई खोड्डा (35) (रोजिद, बरवाला)
2. दीपकभाई रणछोड़भाई वाघेला (45) (रोजिद, बरवाला)
3. धूड़ाभाई रणछोड़भाई बमरोलिया (50) (रोजिद, बरवाला)
4. विपुलभाई विनुभाई कविठिया (29) (रोजिद, बरवाला)
5. देवजीभाई नानूभाई खोड्डा (55) (रोजिद, बरवाला)
6. भूपतभाई जिनाभाई विरगामा (46) (रोजिद, बरवाला)
7. दीपकभाई भभुभाईभोजिया (भीमनाथ, बरवाला)
8. चेतनभाई देवजीभाई सुरेला (पोलरपुर, बरवाला)
9. दीपकभाई रतिलाल कुमारखानिया (पोलरपुर, बरवाला)
10. बहादुरभाई लघरभाई वलनिया (50) (चंदरवा, रानपुर)
11. चुंदकीबहन चमसांगभाई वसीमिया (चंदरवा, रणपुर)
12. वाघजीभाई मोहनभाई मकवाना (देवगना, रणपुर)
13. (42) (देवगना, रानपुर)
14. कानाभाई सुरभाई चेखलिया (40) (देवगना, रानपुर)
15. लालू मनीराम यादव (28) (ईशानपुर, अहमदाबाद)
16. नरशीभाई कलौभाई वाघेला (65) (देवगाना, रानपुर)
17. बलवंतभाई नत्थूभाई सिंधव (वेजल्का, रानपुर)
18 .मनसुखभाई भीमजीभाई सोलंकी (वैया)
19. घनश्यामभाई मनुभाई थेटरोजा (वैया)
20. मुकेशभाई परमार (रोजिद, बरवाला)
21. जोगीदास रावल (सुंदरियाना)
22. मवजीभाई धर्मशीभाई मोरवाडिया (रणपरी)
23. वड्डुरिया (अनियाली, धंधुका)
25. सुरेश मकवाना (अनियाली, धंधुका)
26. वाघजीभाई मोहनभाई मकवाना (कोर्डा, चूड़ा)
27. दीपकभाई भवभाई भोचिया (चाचना)
28. बापलाल सिंह ज़िलुभा चुडासमा (खड़द, धंधुका)

आरोपियों के नाम

1. गजुबेन प्रवीण बहादुर वड्डुरिया (रोजिद)
2. पिंटू रसिक देवीपूजक (चोकड़ी)
3. विनोद उर्फ फनतो कुमारखानिया (नभोई)
4. संजय भीखा कुमारखानिया (नभोई)
5. हरेश किशन अंबालिया (धंधुका)
6. जतुभा लालूभा (रणपरी)
7. विजय उर्फ लालो पाधियार (रणपरी)
8. भवन नारायण (वैया)
9. सनी रतिलाल (पोलरपुर)
10. नसीब चना (चोकड़ी)
11. राजू (अहमदाबाद)
12. अजीत दिलीप कुमारखानिया (चोकड़ी)
13. भवन रामू (नभोई)
14. चमन रसिक (चौकड़ी)